दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

ग्वालियर वर्ष: 03 अंक: 123 | ग्वालियर, शुक्रवार, 08 मई 2020 | पृष्ठ: 08- मूल्य: 2 रु.

आंध्र और केन्द्र सरकार को एनएचआर सी का नोटिस

विशाखापट्टनम गैस कांड में 11 लोगों की मौत

विशाखापट्टनम। आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम के आर.आर. वेंकटपुरम गांव में एक प्लांट से कैमिकल गैस के लीक होने के बाद गुरुवार को कम से कम 11

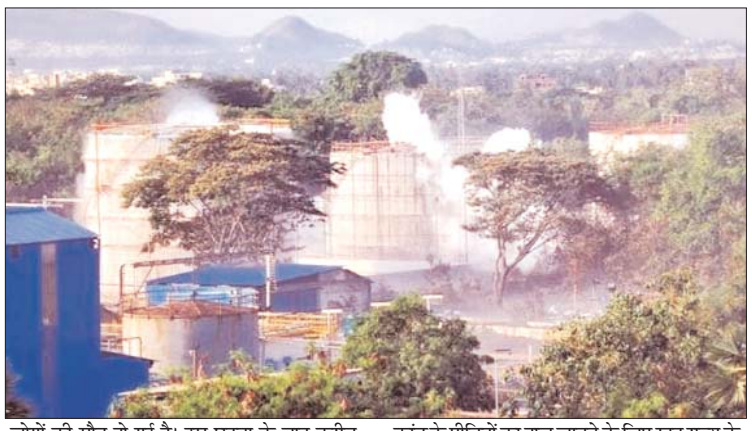

लोगों की मौत हो गई है। इस घटना के बाद करीब हजार से ज्यादा लोगों ने खुद को अस्वस्थ बताया है। विशाखापट्टनम जिला मेडिकल एंड हेल्थ ऑफिसर तिरूमाला राव ने कहा, विशाखापट्टन में गैस लीक होने के चलते 300 लोगों को कई अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इस घटना के बाद राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने सख्ती दिखाते हुए केन्द्र और राज्य सरकार को नोटिस भेजकर जवाब मांगा है। गैस कांड़ के पीड़ितों का हाल जानने के लिए खुद राज्य के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी किंग जॉर्ज अस्पताल पहुंचे। अधिकारियों ने बताया कि यह प्लांट गोपालपट्टनम इलाके में स्थित है। इस इलाके के लोगों ने आंखों में जलन, सांस लेने में तकलीफ, जी मचलाना और शरीर पर लाल चकत्ते पड़ने की शिकायत की। इस मामले पर पीएम मोदी भी निगरानी रख रहे हैं। पीएम मोदी ने राज्य के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी से बात की है और उन्हें हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया है। तो चलिए जानते हैं गैस लीक कांड के सभी अपडेट्स...

पूर्व सीएम चंद्रबाबू की केंद्र से मांग- बंद की जाए एलजी पॉलिमर

विशाखापट्टनम गैस लीक हादसे के बाद आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने एलजी पॉलिमर्स यूनिट को बंद करने की मांग की है. नायूड ने केंद्र सरकार को चिट्ठी लिखकर पूरे हादसे की जांच कराने की भी मांग की. विशाखापट्टनम गैस लीक हादसे के बाद आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने एलजी पॉलिमर्स यूनिट को बंद करने की मांग की है. नायूड ने केंद्र सरकार को चिट्ठी लिखकर पूरे हादसे की जांच कराने की मांग की और साथ ही जांच के बाद पूरी यूनिट को स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एसईजेड) में शिफ्ट करने की भी मांग की गई है. विशाखापट्टनम की जिस एलजी पॉलीमर कंपनी के प्लांट से गैस रिसाव हुआ था, वो फैक्ट्री लॉकडाउन के दौरान देश की बाकी फैक्ट्रियों की तरह बंद पड़ी थी. लॉकडाउन-3 में रियायतों के बाद तीन दिन पहले ही प्लांट में काम शुरु हुआ था. गैस लीक की शुरुआत तड़के ढाई बजे हुई थी.

पीएम मोदी ने की स्थिति की समीक्षा, आंध्रप्रदेश को दिया मदद का आश्वासन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में एक रासायनिक संयंत्र में गैस लीक होने के कारण उत्पन्न स्थिति की समीक्षा की और प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी को हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, प्रधानमंत्री ने गैस लीक होने के बाद पैदा हुए हालात के मद्देनजर राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) की बैठक पूर्वाह्न 11 बजे बुलाई है। प्रधानमंत्री ने अपने ट्वीट में कहा कि उन्होंने गृह मंत्रालय और एनडीएमए के अधिकारियों से स्थिति के संबंध में बात की है जो स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए हैं। उन्होंने कहा, मैं सभी की सुरक्षा और विशाखापट्टनम के लोगों की कुशलक्षेम की प्रार्थना करता हूं। पीएमओ के ट्वीट के अनुसार, मोदी ने विशाखापट्टनम की स्थिति पर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी से बात की और उन्हें हर तरह की मदद और समर्थन देने का आश्वासन दिया।

तमिलनाडु ने भी बढ़ाई शराब की कीमतें, उम्र के हिसाब से बिकेगी शराब

चेन्नई। तमिलनाडु में कोविड-19 को फैलने से रोकने के लिए लगाए लॉकडाउन के कारण 40 दिनों से अधिक समय बाद पहली बार शराब की दुकानें खुलेंगी और सात मई से शराब की कीमतों में अधिकतम 20 रुपये की वृद्धि की जाएगी। राज्य सरकार ने बुधवार को यहां एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा कि भारत में निर्मित विदेशी शराब पर आबकारी शुल्क में 15 प्रतिशत की वृद्धि के बाद यह आदेश जारी किया जा रहा है। शराब प्रेमियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए पुलिस ने बृहस्पतिवार से शराब की बिक्री के लिए ग्राहकों की उम्र के हिसाब से समय स्लॉट की घोषणा की, जो चेन्नई और इसके आसपास के तीन जिलों में लागू नहीं होगा। इसके अनुसार 50 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के लिए शराब की बिक्री सुबह 10 से दोपहर एक बजे तक की जाएगी, 40-50 वर्षीय लोग एक बजे से तीन बजे तक और 40 वर्ष से कम उम्र के लोग तीन बजे से शाम पांच बजे तक शराब खरीद सकेंगे। उसने बताया कि सामान्य ब्रांड की 180 मिलीलीटर आईएमएफएल की कीमत में दस रुपये तक की बढ़ोतरी होगी जबकि प्रीमियम शराब की कीमत में 20 रुपये तक की वृद्धि होगी।

कोरोना की आहट? पश्चिम बंगाल में सांस-इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी के 92,000 रोगी मिले

ममता सरकार ने बदली रणनीति

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य में इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी के अधिक समय में किए गए घर-घर निगरानी के प्रयासों का फल है। उन्होंने

92,000 से अधिक मामले और सांस रोग के 870 मामलों की पहचान की है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि कोविड-19 के मद्देनजर ये मामले शुरुआती चेतावनी के संकेत हो सकते हैं। ममता बनर्जी ने कहा कि ये परिणाम उनकी सरकार द्वारा बीते एक महीने से कहा कि यह अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक कि यह कोरोना वायरस परास्त नहीं हो जाता। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा कि बीते एक महीने से भी अधिक समय से घर-घर जांच का एक गहन अभियान छेड़ा गया, जिसमें श्वसन संबंधी गंभीर बीमारी (एसएआरआई) तथा इन्फ्लूएंजा के मामलों की पहचान की जा रही है।

ममता सरकार ने रणनीति बदली- कोविड-19 महामारी से कथित रूप से अकुशलता से निपटने को लेकर आलोचना से घिरी पश्चिम बंगाल की ममता सरकार ने परीक्षण कई गुना बढ़ाकर, कोरोना वायरस मौतों पर ऑडिट समिति के क्षेत्राधिकार में बदलाव लाकर और लॉकडाउन उपायों को कड़ा करके रणनीति बदली है। तृणमूल के शीर्ष नेताओं के अनुसार, रणनीति में बदलाव लोगों में बढ़ते असंतोष, कम परीक्षण और कमजोर निगरानी को लेकर केंद्र की टीमों की तीखी टिप्पणी जैसे कारणों के चलते किया गया। यह तृणमूल के लिए अगले साल विधानसभा चुनाव में महंगा साबित हो सकता था।

ग्वालियर और मुरैना में मिले 5-5 कोरोना पॉजिटव मरीज

ग्वालियर। मध्यप्रदेश में कोरोना मरीजों के मिलने का सिलसिला जारी है। ग्वालियर में फिर से कोरोना के 5 नए पॉजिटिव मरीज मिले है, 3 ग्वालियर शहर और 2 डबरा में पॉजिटिव मरीज मिले है। ये नए लोग भी कोरोना पॉजिटिव मरीज़ों के संपर्क में आए थे। ग्वालियर में कोरेना की जांच हुई थी ये नए मरीज भी क्वारेंटाइन में रह रहे थे।इसके अलावा मुरैना में भी 5 नए कोरोना पॉजिटिव मरीज सामने आये हैं। संक्रमित मरीजों में जिला अस्पताल के दो नर्सिंग स्टाफ भी शामिल हैं। इन मरीजों के बाद अब जिले में एक्टिव मरीजों की संख्या 9 हो गई है, वहीं कुल संख्या 23 तक पहुंच गई है, जिनमें से 14 मरीज डिस्चार्ज हो चुके हैं।

रेड जोन जिलों में फंसे लोगों को 'घरवापसी' के लिए मिलेगा ई-पास

भोपाल। कोरोना के चलते हुए लॉकडाउन में रेड जोन जिलों में फंसे लोगों के बड़ी राहत देने वाली खबर आई है। मध्यप्रदेश के रेड जोन वाले जिलों में फंसे लोग अब अपने घर जा सकेंगे। सरकार ने ई-पास जारी करने संबंध नियमों में बदलाव करते हुए अब रेड जोन के जिलों जैसे भोपाल, इंदौर और उज्जैन में फंसे लोगों को अब ई-पास जारी करने के आदेश दे दिए है। मध्यप्रदेश में भोपाल, इंदौर, उज्जैन, धार, खंडवा, देवास, बड़वानी, ग्वालियर और जबलपुर जिले जो कोरोना के रेड जोन में आते है वहां पर भी अब लोगों को ई-पास मिल सकेगा। अब तक इन जिलों में केवल मेडिकल इमरजेंसी और मृत्यु और विवाह के लिए ई-पास जारी किए जा रहे थे। गौरतलब है कि 25 मार्च से हुए लॉकडाउन के बाद इन जिलों में बड़ी संख्या में लोग विशेषकर छात्र और श्रद्धालु फंसे हुए है। भोपाल, इंदौर में बड़ी संख्या में दूसरे जिलों और राज्यों के स्टूडेंट फंसे हुए थे जिनको लंबे समय काफी मुसीबत का सामना करना पड़ रहा था। कोरोना समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने अफसरों को राज्य से बाहर जाने के इच्छुक लोगों को भी अब ई-पास जारी करने

के निर्देश दिए है।
इसके साथ ही उन्होंने अन्य राज्यों में हॉटस्पॉट जिलों में फंसे जो लोग मध्यप्रदेश लौटना चाहते है उन्हें भी ई-पास जारी किया जाए। इसके लिए दूसरे राज्य में फंसे लोग मैप आईटी पोर्टल पर वाहन पंजीयन क्रमांक सहित आवेदन कर सकेंगे। ऐसे ई-पास केवल एक बार अन्य राज्यों से मध्यप्रदेश में आने के लिए जारी होंगे। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस मुद्दे पर कहा है कि अब जबकि लॉकडाउन 17 मई तक चलना है तो ऐसे में लोगों को लंबे समय तक नहीं रोका जा सकता है इसलिए सभी प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हुए लोगों को चरणबद्ध तरीके से ई-पास जारी किया जाएगा जिससे कि अचानक से भीड़ न हो जाए।

बुद्ध पूर्णिमा पर आज कोरोना योद्धाओं का होगा सम्मान

पीएम मोदी होंगे कार्यक्रम में शामिल

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज गुरुवार को बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर कोरोना योद्धाओं के सम्मान में होने वाले एक कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे और समरोह को संबोधित करेंगे। यह कार्यक्रम कोरोना योद्धाओं के सम्मान में अंतरराष्ट्रीय बौद्ध संघ के सहयोग से संस्कृति मंत्रालय की ओर से आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में एक वर्चुअल प्रार्थना होगी। इसी कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाषण देंगे। साथ में कोरोना योद्धाओं का सम्मान भी किया जाएगा। न्यूज एजेंसी एएनआई ने प्रधानमंत्री कार्यालय के हवाले से कहा है कि यह आयोजन कोरोना पीड़ितों के सम्मान और कोविड-19 फ्रंटलाइन वॉरियर के लिए आयोजित किया जा रहा है। वहीं, राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुद्ध पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर बुधवार को देशवासियों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि भगवान बुद्ध का सत्य, शांति और करुणा का संदेश सदैव मानवता का मार्गदर्शन करता रहेगा। राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा, बुद्ध पूर्णिमा के शुभ अवसर पर मैं सभी नागरिकों और पूरी दुनिया में भगवान बुद्ध के अनुयायियों को शुभकामनाएं देता हूं।

दिल्ली और यूपी की तर्ज पर राजस्थान सरकार ने भी पेट्रोल-डीजल पर लगाया टैक्स, जानें नए रेट

नई दिल्ली। कोरोना लॉकडाउन के बीच राजस्थान सरकार ने गुरुवार मध्यरात्रि से पेट्रोल-डीजल पर वैट लगाने का फैसला किया है। गुरुवार मध्यरात्रि से पेट्रोल पर 2 फीसदी और डीजल पर 1 फीसदी वैट लगाने का फैसला किया है। बता दें कि इससे पहले यूपी, उत्तराखंड और दिल्ली समेत कई राज्य पेट्रोल और डीजल पर वैट लगाने का फैसला कर चुके हैं। यहां तक की केंद्र सरकार भी पेट्रोल-डीजल पर एक्साइड ड्यूटी में बड़ा इजाफा कर चुकी है।

गृह मंत्रालय ने दी भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के लिए

रथ बनाने की इजाजत, पुरी में जल्द शुरू होगा काम

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण के बीच गृह मंत्रालय ने आज भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के लिए रथ बनाने की इजाजत दे दी है। इस साल 23 जून को रथ यात्रा निकाली जाएगी। गृह मंत्रालय ने ओडिशा सरकार को पत्र लिखकर कहा, मंदिर कार्यालय और श्री नाहर के सामने ग्रैंड रोड के दोनों किनारों पर स्थित रथ-खाला में रथ निर्माण की गतिविधियों को शुरू करने की तुरंत अनुमति दी जाती है। इसके अलावा केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि पुरी में रथ यात्रा के बारे में फैसला ओडिशा सरकार मौजूदा हालात को देखकर लेगी। आपको बता दें कि पुरी में फिलहाल एक कोरोना मरीज की पुष्टि हुई है। ओडिशा सरकार को लिखे पत्र में गृह मंत्रालय ने कहा कि शर्तें पूरी होने के साथ रथ कला में रथ निर्माण के लिए इजाजत दे दी गयी है, जो जगन्नाथ मंदिर कार्यालय और नाहर महल के सामने ग्रांड रोड के दोनों ओर स्थित है। मंत्रालय ने कहा कि रथ कला में कोई धार्मिक समागम नहीं होना चाहिए और यह स्थान पूरी तरह पृथक रहना

चाहिए।पत्र में कहा गया है कि वार्षिक रथ यात्रा निकालने का फैसला राज्य सरकार उस समय मौजूदा स्थिति को देखते हुए लेगी। लॉकडाउन के लिए जारी दिशानिर्देशों के अनुसार लोगों का जमा होना पूरी तरह प्रतिबंधित है। मंत्रालय ने कहा कि श्री जगन्नाथ मंदिर की प्रबंध समिति ने सोमवार को एक बैठक के बाद रथ कला में रथ निर्माण की अनुमति देने का अनुरोध किया था। समिति ने कहा कि रथ कला में कोई समागम नहीं होता क्योंकि यह कार्यस्थल है और सार्वजनिक स्थल नहीं है जहां आम जनता आ सके। हालांकि मंदिर समिति ने कहा कि कोविड-19 के प्रभावी प्रबंधन के लिए रथ कला को पास की ग्रांड रोड और आसपास के भवनों से कपड़ा लगाकर पृथक रखा जाएगा ताकि आम जनता की पहुंच वहां नहीं हो। गृह मंत्रालय के पत्र के अनुसार, समिति ने कहा कि कोविड-19 के प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर जारी दिशानिर्देशों का पूरी तरह पालन किया जाएगा। आपको बता दें कि इससे पहले ओडिशा सरकार ने लॉकडाउन के दौरान पुरी के जगन्नाथ मंदिर के बाहर रथ यात्रा के लिए रथ बनाने जैसी गतिविधियों की अनुमति देने की संभावना पर बुधवार को केंद्र से स्पष्टीकरण मांगा था। राज्य सरकार कोरोना वायरस के खतरे को देखते हुए वार्षिक रथ यात्रा के लिए रथ बनाने की अनुमति देने को लेकर संशय में है। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रबंध समिति (एसजेटीएमसी) ने दो दिन पहले मंदिर परिसर के बाहर रथ निर्माण की अनुमति मांगी थी जिसके बाद राज्य सरकार ने यह कदम उठाया है। इस वर्ष जगन्नाथ मंदिर की वार्षिक रथयात्रा और उत्सव 23 जून को आयोजित किये जाने पर संशय है। राज्य के कानून मंत्री प्रताप जेना ने कहा था कि हमने लॉकडाउन के दौरान रथ निर्माण की अनुमति देने के संबंध में केंद्र से स्पष्टीकरण मांगा है। अब केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इसकी अनुमति दे दी है।

महाराष्ट्र में कोराना के मामले 18 हजार के पार, ऑर्थर रोड जेल तक पहुंचा इंफेक्शन

मुंबई। महाराष्ट्र में लगातार कोरोना वायरस कहर बनकर टूट रहा है। गुरुवार को महाराष्ट्र में कोरोना के रिकॉर्ड 1362 नए मामले सामने आए हैं। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, इसके बाद महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 18,120 हो गई है। इधर, एशिया की सबसे बड़े झुग्गी क्षेत्र मुंबई के धारावी में गुरुवार को कोरोना के 50 नए मामले आए हैं। इसके बाद यहां पर कोरोना संक्रमितों की संख्या 783 हो गई है। हालांकि, गुरुवार को धारावी से कोई मौत का केस नहीं आया है। धारावी में कोरोना से अब तक 21 लोगों की जान जा चुकी है।

एक दिन पहले बुधवार को महाराष्ट्र में कोरोना के रिकॉर्ड 1233 नए मामले आए थे जिसके बाद ये आंकड़ा 16,751 हो गया था तो वहीं मुंबई से भी बुधवार को रिकॉर्ड 769 केस आए थे। इसके बाद वहां पर कोरोना के कुल केस 10 हजार पार हो गया था।

मुंबई के ऑर्थर रोड जेल में 72 कैदी, 7 स्टाफ संक्रमित- मुंबई के ऑर्थर रोड जेल में 72 कैदी और 7 जेल कर्मचारी कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। सभी कोरोना संक्रमित कैदियों को जीटी हॉस्पीटल और सेंट जॉर्ज हॉस्पीटल में शुक्रवार की सुबह शिफ्ट किया जाएगा जबकि कर्मचारियों को अलग से शिफ्ट किया जाएगा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने प्रदेश में कोरोना वायरस की स्थिति पर विपक्ष के नेताओं के साथ गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये चर्चा की। ठाकरे ने वीडियो कॉन्फ्रेंस में कहा कि

केन्द्र सरकार राज्य के साथ सहयोग कर रही हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी हर चर्चा और निर्देश के लिए हमेशा उपलब्ध रहते हैं।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने विपक्ष के नेताओं के साथ कोविड-19 पर की चर्चा- उन्होंने कहा, मैं आपसे फोन पर बात कर रहा हूं और आपकी राय ले रहा हूं। आप जो मीडिया में कह रहे हैं वे भी मैं देख रहा हूं। अगर अच्छे सुझाव होते हैं तो मैं प्रशासन से उस पर गौर करने को भी कहता हूं। उन्होंने कहा, केन्द्र सरकार भी सहयोग कर रही है। प्रधानमंत्री भी गंभीर मुद्दों पर राय देने के लिए हमेशा उपलब्ध रहते हैं। मुख्यमंत्री के कार्यालय में एक अधिकारी ने बताया कि कुछ नेता यहां मंत्रालय (राज्य सचिवालय) में एकत्रित हुये जबकि मुख्यमंत्री ठाकरे समेत अन्य नेताओं ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये इस बैठक में भाग लिया। उप-मुख्यमंत्री अजित पवार, राजस्व मंत्री बालासाहेब थोराट और पीडब्ल्यूडी मंत्री अशोक चह्वाण बैठक में सरकार की तरफ से हिस्सा ले रहे थे। विपक्ष की ओर से भाजपा के देवेंद्र फडणवीस तथा प्रवीण दारेकर, मनसे प्रमुख राज ठाकरे, वीबीए नेता प्रकाश आम्बेडकर, पीआरपी नेता जोगेंद्र कवाड़े सहित कई नेताओं ने हिस्सा लिया। राज ठाकरे ने संवाददाताओं को बताया कि उन्होंने लॉकडाउन को लागू कराने में पुलिस की सहायता के लिय प्रदेश रिजर्व पुलिस के जवानों को तैनात किये जाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा, उन स्थानों पर और अधिक पुलिस बलों की जरूरत है जहां लोग प्रशासन को हल्के में लेते हैं। निषिद्ध क्षेत्रों में पुलिस बलों को बढ़ाया जाना चाहिये। एमएनएस प्रमुख ने यह भी कहा कि अगर प्रवासी श्रमिक वापस नहीं लौटते हैं तो नौकरियां स्थानीय लोगों को दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन वापस लिये जाने के बाद जो लोग राज्य में आना चाहते हैं उन्हें कोरोना वायरस की जांच के बाद ही आने की अनुमति दी जानी चाहिए।

महाराष्ट्र में कोरोना के रिकॉर्ड 1233 मामले, मुंबई में मरीज 10 हजार पार- इस बीच, महाराष्ट्र सरकार ने कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों में लॉकडाउन के कारण फंसे प्रवासी मजदूरों को गृह निवास लौटने के लिए कोई चिकित्सा प्रमाणपत्र दिखाने की जरूरत नहीं है, जैसा कि पहले कहा गया था। सरकार ने बताया कि प्रवासी/फंसे हुए लोग जो अपने गृह निवास वापस लौटना चाहते हैं, उनकी यात्रा के दौरान मुफ्त में जांच की जाएगी।

जयप्रकाश हॉस्पिटल में डॉक्टर का स्वागत और सुदामा नगर में पुलिस कर्मियों व स्वास्थ्य कर्मियों का स्वागत किया गया

डेंजर जोन, हॉटस्पॉट खतरे की हर जगह सबसे आगे हैं तैनात

कोरोना में पुलिस के साथ कंधा मिलाकर जंग लड़ रहे होमगार्ड

भोपाल

कोरोना महामारी से जहां एक तरफ पुलिस - प्रशासन जंग लड़ रहा है और लोगों को इससे बचने के उपाय बता रहा है। तो वहीं मध्यप्रदेश के होमगार्ड भी कोरोना से लड़ाई में पीछे नहीं हैं। वह भी पुलिस के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कोरोना के खिलाफ जंग में अपना पूरा योगदान दे रहे हैं। होमगार्ड के साथ ही एसडीआरएफ के करीब डेढ़ हजार जवान भी प्रदेश के अलग - अलग जिलों में तैनात किए गए हैं। इनकी अधिकांश तैनाती भोपाल, इंदौर, जबलपुर व ग्वालियर में की गई है। कोरोना से जंग में होमगार्ड पुलिस से दो कदम आगे ही हैं। वह डेंजर जोन हो या फिर हॉटस्पॉट की हर जगह यह फ्रंड लाइन में तैनात है। करीब 1 हजार होमगार्ड जवान डेंजर जोन में तैनात हैं। होमगार्ड डेंजर जोन, हॉट स्पॉट, क्वारंटाइन सेंटर्स व अस्पताल में सबसे ज्यादा ड्यूटी कर रहे हैं।

12 हजार होमगार्ड सैनिक हैं प्रदेश में

मध्य प्रदेश में 12 हजार होमगार्ड सैनिक हैं, होमगार्ड मुख्यालय ने इन सभी जवानों को अलग-अलग जिलों में भेजा है। इन जिलों के कलेक्टर ने होमगार्ड जवानों की ड्यूटी लगाई है। पुलिस की आवश्यकता के अनुसार इन जवानों को जगह-जगह तैनात किया गया है। एडीजी एसडीआरएफ डीसी सागर ने बताया कि कलेक्टर और एसपी जरूरत के हिसाब से होमगार्ड जवानों को पुलिस के साथ तैनात करते हैं। होमगार्ड मुख्यालय जवानों की उपलब्धता जिलों की रिक्वायरमेंट के हिसाब से करता है। पुलिस के साथ होमगार्ड के जवान भी कोरोना आपदा के दौर में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

1 हजार होमगार्ड सैनिक डेंजर जोन में तैनात

एडीजी डीसी सागर ने बताया कि अलग-अलग जिलों में तैनात होमगार्ड के जवानों में 1 हजार जवान ऐसे हैं। जो हॉटस्पॉट, क्वारंटाइन सेंटर्स और उन अस्पतालों में ड्यूटी कर रहे हैं, जहां कोरोना वायरस मरीजों का इलाज चल रहा है। ड्यूटी के दौरान इन जवानों में भी कोरोना संक्रमण फैल गया है। अभी तक होमगार्ड के करीब 6 जवान कोरोना वायरस पॉजिटिव निकले हैं। इनमें दो अधिकारी भी शामिल हैं, जिनका इलाज चल रहा है। जल्द ही सभी होमगार्ड के जवान स्वस्थ होकर फिर से ड्यूटी पर लौटेंगे।

मुख्यालय को फिलहाल के लिए किया बंद: होमगार्ड मुख्यालय को फिलहाल एहतियात के तौर पर बंद कर दिया गया है। हालांकि जिन जवानों की ड्यूटी संक्रमित क्षेत्र में लगाई गई है उन्हें बचाव के सभी नियम कायदे बताए गए हैं। वरिष्ठ अधिकारी लगातार उनसे फोन पर संपर्क में हैं। सभी जवानों का मनोबल बढ़ाया जा रहा है।

डेढ़ हजार एसडीआरएफ के जवान भी तैनात

होमगार्ड सैनिकों के साथ ही एसडीआरएफ के करीब डेढ़ हजार जवान भी प्रदेश के अलग-अलग जिलों में तैनात हैं। इनकी अधिकांश तैनाती भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर में की गई है। यह जवान आपदा प्रबंधन के तहत कोरोना की ड्यूटी में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। एडीजी डीसी सागर ने बताया कि फिजिकल वेरिफिकेशन के लिए जाने वाली स्वास्थ विभाग की टीम के साथ जवानों को तैनात किया गया है। इसके अलावा जिले की जरूरत के हिसाब से इन जवानों की ड्यूटी ली जा रही है।

कोरोना महामारी से जंग में पुलिस विभाग की कठोर तपस्या

महिला पुलिस भी पीछे नहीं, पुरुषों की तरह निभा रही अपनी जिम्मेदारी

भोपाल

कोरोना वायरस से लोगों की सुरक्षा के लिए पुलिस विभाग ने कठोर तपस्या की है। सभी थाना क्षेत्रों के थाना प्रभारी एवं स्टाफ अपनी जिम्मेदारी को अच्छी तरह निभा रहे हैं। वहीं महिला पुलिस कर्मचारी भी किसी से पीछे नहीं है अपने परिवार एवं जान को जोखिम में डालकर पुरुषों की तरह जिम्मेदारी निभा रही हैं। ऐसा ही एक दिलचस्प मामला सामने आया है महिला थाना प्रभारी अजीता नायर का जो अपनी जिम्मेदारी कड़ी धूप होने के बावजूद पूरी तरह निभाती नजर आ रही हैं। कड़ी धूप में जहां लोग निकलने से कतराते हैं वहीं थाना प्रभारी अजीता नायर लोगों की सुरक्षा के लिए अपने आप को तपा रही हैं ताकि लोक कोरोना वायरस जैसी भयंकर बीमारी से बच सकें। लोग बिना जरूरत के घर के बाहर ना निकले क्योंकि पुलिस अपने कड़े रवैया से लोगों को सावधान करना चाहती है। कोरोना वायरस का सिर्फ एक ही इलाज है जागरूकता एवं सोशल डिस्टेंस जिसके लिए पुलिस द्वारा सख्त रुख भी अपना की जरूरत होती है। शहर में बीते चौबीस घंटे में 149 लोगों के खिलाफ लॉकडाउन के उल्लंघन का प्रकरण पुलिस ने दर्ज किया है। पुलिस ने इतवारा, बुधवारा सहित अन्य कंटेनमेंट क्षेत्रों में ड्रोन कैमरों से नजर रख रही है। पुलिस 22 मार्च से अब तक 3 हजार 374 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर चुकी है।

पुलिस मुख्यालय निभाएगा दिवंगत पुलिसकर्मी परिवार के मुखिया की भूमिका: मंत्री डॉ. मिश्रा

भोपाल। गृह तथा लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉक्टर नरोत्तम मिश्रा के निर्देश पर पुलिस मुख्यालय भोपाल में राज्य स्तरीय पुलिस हेल्प-डेस्क का गठन कर दिया गया है। मंत्री डॉ मिश्रा ने बताया है कि कर्तव्यरत पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों एवं पुलिसकर्मियों के दिवंगत होने पर उनके परिवार के मुखिया की भूमिका अब पुलिस मुख्यालय निभाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश का गृह विभाग सारी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेगा। डॉ मिश्रा ने बताया कि विगत दिवस पुलिस मुख्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में हुए निर्णय अनुसार पुलिस हेल्प - डेस्क का गठन कर दिया गया है ।यह डेस्क दिवंगत पुलिसकर्मियों के परिवारों से समन्वय स्थापित कर उनकी समस्याओं का निराकरण करेगी। इसकी जिम्मेदारी सहायक महानिरीक्षक(कार्मिक) श्री प्रशांत खरे और उप - पुलिस अधीक्षक (कल्याण) श्री महेंद्र राय को सौंपी गई है। दिवंगत पुलिसकर्मियों के परिजनों को अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए अब अनावश्यक रूप से परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा । परिजन मुख्यालय में पदस्थ श्री खरे के दूरभाष क्रमांक 94253 43017 या श्री राय के दूरभाष क्रमांक 7999 122166 अथवा पुलिस मुख्यालय भोपाल के कार्यालयीन दूरभाष क्रमांक 0755-2440037, 2501105 ,2443315 पर संपर्क कर अपनी समस्याओं से अवगत करा सकेंगे। समस्याओं का शीघ्रता से निराकरण किया जाएगा।

ई-पास जारी करने के संबंध में नये निर्देश जारी

भोपाल । अपर मुख्य सचिव एवं प्रभारी स्टेट कंट्रोल रूम श्री आईसीपी केशरी द्वारा विभिन्न श्रेणी के पास जारी करने के संबंध में नए निर्देश जारी किए गए हैं। मध्य प्रदेश के निवासी जो अन्य राज्यों में हैं अन्य राज्यों के हॉटस्पॉट जिलों से प्रदेश के जिलों में आने की व्यवस्था पहले नहीं थी। किंतु अब मध्य प्रदेश के निवासी जो अन्य राज्यों के हॉटस्पॉट जिलों में फंसे हुए हैं वे पास के लिए मैप आईटी पोर्टल पर वाहन पंजीयन क्रमांक सहित आवेदन कर सकेंगे। ऐसे पास केवल एक बार अन्य राज्यों से मध्यप्रदेश में आने के लिए जारी किये जा सकेंगे। इस व्यवस्था का उपयोग बार-बार आवागमन में नहीं किया जा सकेगा।

प्रदेश के अन्य जिलों में फँसे प्रदेशवासी-पहले के आदेश में इंदौर, उज्जैन, भोपाल, धार, खंडवा एवं खरगोन जिलों से अन्य जिलों के लिए मात्र मेडिकल इमरजेंसी, मृत्यु और विवाह के लिए ही ई-पास किए जा रहे थे। इसमें शिथिलता देते हुए अब इन जिलों से भी अन्य जिलों की तरह कलेक्टर द्वारा प्रदेश के अंदर एवं अन्य जिलों में यात्रा की अनुमति दी जाएगी। किंतु यह अनुमति मात्र एक बार ही दी जा सकेगी, जिससे इसका दुरुपयोग न किया जाए।

डिजिटल मोड में गतिविधियाँ समय की माँग : श्री टंडन

भोपाल । राज्यपाल लाल जी टंडन द्वारा कोविड-19 वायरस संक्रमण का मुकाबला करने के लिए राजभवन में नई कार्य संस्कृति विकसित की जा रही है। राजभवन सचिवालय के साथ अन्य गतिविधियों के संचालन में सोशल डिस्टेंसिंग के साथ कार्यप्रणाली का विकास किया जा रहा है। सचिवालयीन कार्य को ऑनलाइन संचालित करने के साथ ही विभिन्न गतिविधियों को डिजिटल मोड में संचालित किया जा रहा है। राज्यपाल श्री टंडन ने राजभवन के डिजिटलीकरण कार्य की आज समीक्षा की। राज्यपाल श्री टंडन ने स्वयं कम्प्यूटर पर राजभवन के न्यूज लेटर प्रवाह के डिजिटल अंक का अवलोकन किया। उसके परिवर्धन और परिवर्तन के आवश्यक निर्देश दिए। वेबसाइट के यूनिवर्सिटी मॉनीटरिंग सिस्टम के डैशबोर्ड की समीक्षा की। राज्यपाल श्री टंडन ने कहा कि जनतांत्रिक मूल्यों की मजबूती का आधार पारदर्शिता है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे उत्कृष्ट कार्यों, अभिनव प्रयासों और पहल की जानकारी के प्रसार से प्रेरणा और प्रोत्साहन का वातावरण निर्मित होता है। उन्होंने कहा कि सारा विश्व अभूतपूर्व संकट कोविड-19 के संक्रमण का सामना कर रहा है। इससे बचने का अभी तक कोई टीका और उपचार की औषधि नहीं बनी है। इसलिए सावधानी ही एकमात्र तरीका है। सामाजिक और व्यक्तिगत दूरी बनाकर इसके संक्रमण को रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि समय की माँग है कि हम अपनी जीवन शैली और कार्य शैली में परिवर्तन लाएं। कार्यों को अधिक से अधिक डिजिटल मोड में करने का प्रयास करें। ऑनलाइन कार्यशैली को विस्तारित कर शारीरिक सम्पर्क और समूह में एकत्रण के अवसरों को भी कम किया जाए। उन्होंने कहा कि संकट अवधि में प्रदेश के विश्वविद्यालयों द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में किए गए कार्यों को प्रवाह के आगामी अंकों में विशेष स्थान दिया जाए। विश्वविद्यालयों द्वारा आईसीटी तकनीक के प्रभावी उपयोग और जन जागृति के क्षेत्र में जो उत्कृष्ट उपलब्धियाँ अर्जित की है, वह सराहनीय है। उनका प्रसार उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विश्वविद्यालयों की भूमिका को नया स्वरूप प्रदान करेगा। राज्यपाल को बताया गया कि न्यूज लेटर प्रवाह के प्रथम अंक में 6 माह की राजभवन की गतिविधियों का संकलन किया गया। दूसरे अंक में जनवरी से मार्च त्रैमास की राजभवन की गतिविधियों, कार्यक्रमों को न्यूज लेटर में संयोजित किया गया है। अंक में विशेष रूप से प्रदेश के विश्वविद्यालयों की उपलब्धियाँ, नवाचार और अनुसंधानों का विवरण दिया गया है। प्रवाह के डिजिटल अंक राजभवन की वेबसाइट पर उपलब्ध है। उनको बताया गया कि राज्यपाल के फेसबुक पेज के फॉलोअरों की संख्या में विगत 8 माह में 16 हजार बढ़ गई है। इसी तरह वेबसाईट पर डेढ़ लाख से अधिक हिट्स भी मिल रहे हैं। राजभवन के आईटी प्रकोष्ठ प्रभारी श्री जितेन्द्र पाराशर ने बताया कि यूनिवर्सिटी मॉनीटरिंग सिस्टम के अंतर्गत विश्वविद्यालयों से सौ से अधिक प्रकार की जानकारियाँ पोर्टल पर प्राप्त की जा रही हैं। इन जानकारियों के आधार पर विश्विद्यालयों के द्वारा किये जा रहे कार्यों की प्रभावी समीक्षा होगी।

उम्मीद की नई किरण प्लाज्मा थैरेपी: मंत्री डॉ. मिश्रा

स्वास्थ्य मंत्री ने स्वस्थ लोगों से वीडियो कॉलिंग से बात कर हौंसला बढ़ाया

भोपाल। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा गृह मंत्री डॉक्टर नरोत्तम मिश्रा ने आज प्लाज्मा थैरेपी से स्वस्थ होकर घर लौटे मरीजों से वीडियो कॉलिंग से बात कर उनका हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि प्लाज्मा थैरेपी के उपचार से कोरोना संकट से निपटने में मदद मिलेगी। डॉ मिश्रा ने कोरोना के उपचार में प्लाजमा थैरेपी से मिली सफलता पर प्रसन्नता जताई। उन्होंने कहा कि प्लाज्मा थैरेपी इस संकट- काल में उम्मीदों की नई किरण के रूप में सामने आई है। अब तक उपचार की इस पद्धति से तीन लोग स्वस्थ होकर अपने घर जा चुके हैं। मंत्री डॉ मिश्रा ने कहा कि विगत दिनों केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्धन से उन्होंने प्लाज्मा थैरेपी से उपचार संबंधी अनुमति मांगी थी , अनुमति मिलने के उपरांत इंदौर और भोपाल में प्लाज्मा थैरेपी से उपचार किया गया । इसके सुखद और आशातीत परिणाम अब सामने आने लगे हैं। उन्होंने कहा कि इस पद्धति से हम कोरोना पीड़ितों का इलाज कर उन्हें स्वस्थ कर सकेंगे। मंत्री डॉ मिश्रा ने प्लाज्मा थैरेपी से स्वस्थ हुए लोगों से आह्वान किया कि वे लोगों में कोरोना से फैली हुई भ्रांतियों को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर प्रदेश और देश की सेवा कर सकते हैं । वे लोगों को जागरूक बनाएं और कोरोना वायरस संबंधी भ्रांतियों को दूर करें। डॉ मिश्रा ने उन्हें सहयोग के लिए आश्वस्त करते हुए कहा कि यदि उन्हें कभी भी किसी प्रकार की कोई परेशानी होती है तो वे उनके मोबाइल पर व्यक्तिगत रूप से सीधे संपर्क कर सकते हैं।

मनरेगा में आवश्यकतानुसार बनेंगे नए जॉब कार्ड

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज राज्य में मनरेगा के तहत कार्य करने वाले श्रमिकों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा बातचीत की। ये श्रमिक पहली बार संबंधित जिले के कलेक्टर और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के साथ इस तरह की कॉन्फ्रेंसिंग में शामिल हुए और मुख्यमंत्री से चर्चा कर सके। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हर जरूरतमंद को पात्रतानुसार कार्य उपलब्ध करवाया गया है। लोग तकलीफ में न आएं, इसके लिए आवश्यकतानुसार नए जॉब कार्ड भी तैयार किए जाएंगे। कोरोना संकट के इस दौर में हर जिले में श्रमिकों को काम की जरूरत थी। रेड जोन छोड़कर अन्य इलाकों में इन कार्यों के संचालन के लिए मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिये थे। श्रमिकों के समक्ष जो रोजी-रोटी का संकट पैदा हुआ था वो मनरेगा कार्यों के संचालन से दूर हो सका है। मनरेगा में जल संरक्षण, कूप निर्माण, तालाब निर्माण, चेक डैम निर्माण सहित स्व-सहायता समूहों और स्वच्छ भारत मिशन के कार्य आज एक बड़े वर्ग के लिए वरदान सिद्ध हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कलेक्टर्स और जिला पंचायत के अधिकारियों से कहा कि सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए मनरेगा कार्यों के संचालन पर नजर रखी जाए। अर्थव्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित करने वाले कोरोना वायरस से सुरक्षित रहते हुए हर जरूरतमंद को काम देने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हमारे देश के प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के नेतृत्व में हम कोरोना से लड़ाई लड़ रहे हैं। उनके कथन - जान भी है, जहान भी के अनुसार दो गज की दूरी बनाकर श्रमिकों के लिए रोजी-रोटी का प्रबंध करना है। मास्क अथवा गमछा उपयोग में लाने और साबुन से हाथ धोने जैसी सावधानियाँ अपनाकर कार्य करने हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि महिला स्व-सहायता समूहों को आठ करोड़ रुपए की राशि का भुगतान हुआ है। मनरेगा में इस समय 14 लाख 64 हजार 969 श्रमिक काम कर रहे हैं जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। प्रदेश की 22 हजार से अधिक पंचायतों में करीब 1 लाख 31 हजार कार्य चल रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्री मनोज श्रीवास्तव और सभी जिला पंचायतों के अधिकारियों को बड़ी संख्या में श्रमिकों को कार्य से जोड़ने के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि स्वयं की सुरक्षा के साथ पूरे परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए श्रमिक कार्य करें। अब कुछ समय कोरोना के साथ ही जीने की आदत डालनी होगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने श्रमिकों से मजदूरी के भुगतान के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की।

छत्तीसगढ़ से पैदल चलकर आया, मध्यप्रदेश में मिला सहारा-मुख्यमंत्री श्री चौहान को सिंगरौली के श्री सीताराम पाल ने बताया कि वो छत्तीसगढ़ से 200 किलोमीटर से अधिक की दूरी पैदल चलकर सिंगरौली आ सका। ये पाँच दिन बहुत कष्टकारी थे। खाने के लिए कुछ न था। यहाँ तालाब का कार्य चल रहा है। जिसमें काम मिलने से रोजी-रोटी का इंतजाम हुआ। अनाज भी मिला है। दस लोग समूह में दूरी बनाकर काम करते हैं। श्री सीताराम ने बताया कि वो सुरक्षा के लिए गमछे से नाक और मुँह को बंद रखते हैं।

महाराष्ट्र से खंडवा पहुँची रेश्मा-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने खंडवा में अधिकारियों के साथ बैठी रेश्मा से जैसे ही पूछा - कैसी हो बेटी ? यह सुनकर रेश्मा एक क्षण के लिए भावुक होकर मौन हो गई। रेश्मा ने बताया कि महाराष्ट्र में लॉकडाउन में फंसने के बाद जब अपने गांव आई तो रोजी रोटी की परेशानी थी। खालवा विकासखंड के जोगीबीड़ा में तीन साइट पर कार्य चल रहे थे। मजदूरी मिल गई। नाला गहरीकरण का काम हो रहा है। अब कोई परेशानी नहीं है। खंडवा के ही श्रमिक रेवा राम ने बताया कि वो भी महाराष्ट्र में एक ईंट भट्टे में कार्य के लिए गया था।

राज्य में 841 नए केस मिले, इनमें मुंबई में सबसे अधिक 635 नए मरीजों की पहचान हुई

महाराष्ट्र में संक्रमितों की संख्या 15 हजार के पार, 10 हजार सिर्फ मुंबई में, दो दिन की भीड़ देखने के बाद शराब की दुकानें फिर बंद

मुंबई ■ एजेंसी

महाराष्ट्र में 841 नए कोरोना पॉजिटिव मिले। इनमें मुंबई में सबसे अधिक 635 मरीज पाए गए। प्रदेश में मरीजों की संख्या 15,525 तक पहुंच गई। मुंबई में 48 घंटे में 1145 नए मामले सामने आए। नए मामलों के साथ ही मुंबई में संक्रमितों की संख्या 9,758 हो गई। धारावी में 33 नए मामलों के साथ कुल मरीजों की संख्या 665 तक पहुंच गई। राज्य में कोरोना की वजह से 34 और लोगों की जान गई। कुल 617 लोगों की अब तक मौत हो चुकी है। अब तक कुल 2,819 लोग कोरोना मुक्त हो चुके हैं।

मुंबई में शराब दुकानें बंद होंगी

मुंबई में लगातार दो दिन शराब की दुकानों पर उमड़ी भीड़ को देखते हुए बीएमसी कमिश्नर प्रवीण परदेशी ने मंगलवार रात बड़ा फैसला लिया। उन्होंने सभी प्रकार के गैर-जरूरी सामान और शराब की दुकानों को बंद करने का आदेश दिया है। हालांकि, किराना और मेडिकल स्टोर जैसे जरूरी सामान की दुकानें खोलने की पहले की तरह छूट जारी रहेगी। इससे पहले, दुकानें खोलने को लेकर दो दिन तक भ्रम का माहौल बना रहा।

सोमवार को 4 लाख लीटर शराब बिक्री हुई

मुंबई के आसपास ठाणे, कल्याण और उल्हासनगर समेत अन्य शहरों में शराब की दुकानें पूरी तरह बंद रहीं। मुंबई में कई जगहों पर भीड़ बढ़ने पर पुलिस की मदद लेनी पड़ी। सोमवार को महाराष्ट्र में 4 लाख लीटर शराब बिकी। आम दिनों में करीब 24 लाख लीटर बिक्री होती है।

शराब दुकानदारों ने फैसले का विरोध किया

बीएमसी के शराब दुकान बंद करने के फैसले पर फेडरेशन ऑफ रिटेल ट्रेडर्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष वीरेन शाह ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा। इसमें उन्होंने कहा- हम मुख्यमंत्री द्वारा गैर जरूरी उत्पादों पर दी गई राहत के बाद अब बीएमसी के ऑर्डर को देखकर हैरान हैं। हमारे एसोसिएशन और सदस्यों ने कभी किसी राहत के लिए नहीं कहा, लेकिन जब सरकार ने इस बात की घोषणा की तो हमने यह सोचकर इसे स्वीकार किया कि इससे इकोनॉमी सुधरेगी। वाइन शॉप को शुरू करने का सरकार का फैसला अच्छा विकल्प था, क्योंकि इससे सरकार को राजस्व मिलता।

राज्य में पहले यह आदेश था

महाराष्ट्र में अर्थव्यवस्था की गाड़ी पटरी पर लाने के लिए गैर-जरूरी सामानों की बिक्री करने वाली पांच दुकानें हर रोड पर खोलने का आदेश दिया गया था। मुंबई में इस संबंध में फैसला लेने का पूरा अधिकार कमिश्नर के पास है। कई दुकानदार तो गैर-जरूरी सामान बेचने की तैयारी कर रहे थे, इस बीच इन दुकानों को पूरी तरह से बंद करने का फैसला कर दिया गया।

हिंगोली में 36 एसआरपीएफ जवान संक्रमित

महाराष्ट्र में राज्य पुलिस बल (एसआरपीएफ) के 36 जवानों के अलावा एक नर्स भी कोरोना से संक्रमित पाई गई। 1 मई के बाद कोरोना से एक दिन में सर्वाधिक जवान संक्रमित हुए हैं।सोमवार रात 22 जवानों और एक नर्स की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी।

लॉकडाउन में मिली छूट के बाद मुंबई के वेस्टर्न एक्सप्रेस-वे पर भारी भीड़ नजर आई। लॉकडाउन फेज-3 में सरकार ने कई छूट दी हैं।

मजदूरों के किराए को लेकर नहीं मिला है कोई आधिकारिक आदेश, रेलवे स्थिति स्पष्ट करे

मुंबई। महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने बुधवार को बताया कि राज्य सरकार ने रेलवे से यह स्पष्ट करने के लिये कहा है कि लॉकडाउन के कारण फंसे प्रवासी श्रमिकों को वापस उनके घर भेजने में रेल यात्रा में आने वाली लागत का 85 फीसदी वह वहन करेगा या नहीं। गृह मंत्री अनिल देशमुख ने एक वीडियो संदेश में कहा कि इन श्रमिकों के पास नौकरी नहीं है और इन लोगों से रेलवे को किराया नहीं वसूलना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार को कहा था कि रेलवे ने प्रवासी श्रमिकों को उनके घर पहुंचाने के लिए चलाई जाने वाली विशेष ट्रेनों के किराये में 85 प्रतिशत सबसिडी दे रही है और बाकी बचे 15 फीसदी किराये का भुगतान राज्य सरकार को करना चाहिए। इस पर अनिल देशमुख ने कहा, 'महाराष्ट्र सरकार की ओर से, मैं भारतीय रेल से इसमें स्पष्टता चाहता हूं कि वह टिकट का 85 प्रतिशत वहन कर रहा है या नहीं। अब तक रेलवे से इस बारे में आधिकारिक आदेश प्राप्त नहीं हुआ है।' उन्होंने बताया किया कि हर व्यक्ति यह जानता है कि इन प्रवासी श्रमिकों के पास पिछले 40 दिन से नौकरी नहीं है और वे अपने घर वापस जाने के लिए बेचैन हैं। एक अधिकारी ने बताया कि अबतक, करीब 36 हजार प्रवासी श्रमिक महाराष्ट्र से अपने गृह स्थान के लिए निकल चुके हैं। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सोमवार को कहा था कि उनकी पार्टी की राज्य इकाई कोरोना वायरस के कारण जारी लॉकडाउन के चलते दूसरे राज्यों में फंसे जरूरतमंद प्रवासी श्रमिकों के टिकट का खर्च वहन करेगी।

हरियाणा: कोरोना से 8वीं मौत, पानीपत में 24 साल के युवक की मौत, मरने से पहले महिला को काटकर किया था जखमी

- पानीपत के दीनानाथ कॉलोनी की घटना, जिस महिला को युवक ने काटा था उसे स्वास्थ्य विभाग ने कर रखा है क्वारैंटाइन
- युवक की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग ने कोरोना जांच के लिए भेजे थे सैंपल, आज रिपोर्ट पॉजिटिव आई

पानीपत ■ एजेंसी

हरियाणा में कोरोना से मरने वालों की संख्या 8 हो गई है। सोमवार को पानीपत की दीनानाथ कॉलोनी में रहने वाले 24 वर्षीय युवक की मौत हो गई थी। स्वास्थ्य विभाग ने उसके सैंपल जांच के लिए भेजे थे। बुधवार को रिपोर्ट में उसके कोरोना की पुष्टि हुई है। उस युवक ने मरने से पहले एक महिला के हाथ पर काट लिया था। स्वास्थ्य विभाग ने उस महिला को भी क्वारैंटाइन किया हुआ है। वहीं प्रदेश में कुल कोरोना मरीजों की संख्या 568 पहुंच गई है। बुधवार को 16 नए मरीज सामने आए हैं। करनाल में 5, अम्बाला में 4, पानीपत में 4, गुड़गांव में 3 और फरीदाबाद और झज्जर में एक-एक संक्रमित मिला। वहीं, बुधवार को गुड़गांव से चार मरीजों को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। राज्य में अब तक कुल 260 मरीज ठीक हो चुके हैं। मृतक की दादी ने बताया, 'मेरा पोता रविवार को दिल्ली से आया था। वह मजदूरी करता था। उसके तीन-भाई बहन हैं। पिता फलों का काम करता है। मां की 7 साल पहले मौत हो गई थी। सोमवार रात को पोता बोला कि उसे पानी से डर लगा रहा है। वह बहुत घबराया हुआ था। फिर बोला दादी पपीता खाना है, वो पपीता काटने चली गई। इतने में पोता डरकर बाहर भाग गया, पड़ोस की एक महिला के हाथ पर काट लिया। फिर घर आते ही अचानक गिर गया और उसके मुंह से लार टपक रही थी। फिर अचानक मर गया। रात भर उसके शव के पास बैठी रही। कोरोना के डर के कारण कोई पड़ोसी घर नहीं आया। संस्कार में कोई शामिल नहीं हो पाया।

भिलाई में पति 425 किमी दूर से लिफ्ट लेकर घर लौटा, तो पत्नी ने अंदर नहीं घुसने दिया, कहा- पहले जांच कराइये

भिलाई। छत्तीसगढ़ के भिलाई में कोरोना से बचने के लिए एक महिला ने पति को ही घर में नहीं घुसने दिया। उसका पति ओडिशा के राउरकेला से करीब 425 किमी की दूरी तय करके घर पहुंचा था। महिला ने उसको पहले मेडिकल टेस्ट कराने के लिए कहा। खुसीपार सेक्टर-11 निवासी पूर्णिका कौर ने निगम और स्वास्थ्य विभाग की टीम को जांच के लिए बुलाया। देर शाम टीम पहुंची और उसके पति को क्वारैंटाइन सेंटर भेजा गया।

अलग-अलग वाहनों से लिफ्ट लेकर पहुंचा: निगम पीआरओ पीसी सार्वा ने बताया कि महिला ने जानकारी दी है कि पति सुखदेव सिंह राउरकेला से विभिन्न वाहनों से लिफ्ट लेकर भिलाई पहुंचा। महिला ने पति को घर के बाहर ही रखा था। अंदर प्रवेश नहीं करने दिया। महिला के घर में तीन बच्चे भी हैं।

राउरकेला से युवक खुसीपार स्थित अपने घर पहुंचा था

महिला ने मेडिकल टीम को बुलाकर क्वारैंटाइन सेंटर भेजा

घर के बाहर बैठे-बैठे भूख लगी तो दूर से ही भोजन दे दिया

बाहर बैठे भूख लगी तो दूर से ही रोटी-सब्जी दी: जब पति को घर के बाहर बैठे-बैठे भूख लगी तो पत्नी ने रोटी-सब्जी बनाई। सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए खाना दिया। फिर इसकी सूचना जोन-4 आयुक्त प्रीति सिंह और अन्य अधिकारियों को दी। उसने तत्काल घर आने का आग्रह किया। निगम पीआरओ सार्वा कहते हैं कि कोरोना संक्रमण रोकथाम और बचाव के लिए महिला ने अपनी अहम जिम्मेदारी निभाई है।

कोई रिस्क लेना नहीं चाहती, इसलिए जांच करवाई: महिला ने बताया कि उन्हें बाहर से आए हुए व्यक्तियों की सूचना देने की जानकारी दी गई थी। निगम से जारी किए गए मोबाइल नंबर प्राप्त हुए हैं। इसके चलते उसने शासन का सहयोग करते हुए भिलाई निगम को सूचना दी। शाम को जांच टीम पहुंच गई।

शराब पर 70 फीसदी सेस लगाने के बाद भी उमड़ी भीड़, 1 घंटे में बंद करनी पड़ीं दुकानें

ढील के दूसरे दिन भी सोशल डिस्टेंसिंग की उड़ी धज्जियां

प्रशासन और पुलिस के बीच नहीं सुलझा मामला

नई दिल्ली ■ एजेंसी

राजधानी में अरविंद केजरीवाल सरकार ने मंगलवार से शराब पर 70% अतिरिक्त टैक्स वसूलना शुरू कर दिया है। इसके बाद भी आज सुबह से यहां शराब की दुकानों पर लोगों की लंबी कतारें दिखीं। सोमवार को सस्ती शराब के लिए जिस तरह भीड़ तड़के कतारबद्ध हो गई थी, उसी तरह मंगलवार 70% महंगी शराब लेने के लिए सुबह से ही लोगों की लाइन दिखी। मंगलवार को 172 दुकानों को अनुमति मिली थी जिनमें से 83 दुकानें खुलीं। चंद्रनगर, झील चौक, शिवपुरी, चंद्रनगर मेन रोड पर सुबह 5-6 बजे लोग लाइन में थे। उम्मीद थी कि 9 बजे दुकान खुलेगी लेकिन चंद्र नगर में भीड़ को देखते हुए दुकान नहीं खोली गई। चंद्र नगर मेन रोड की दुकान खोली गई तो शुरूआत में लोगों ने एक-एक पेटी खरीद ली। आधे घंटे से पौने घंटे तक दो गज की दूरी से एक-डेढ़ किमी लंबी लाइन में खड़े लोग आपाधापी में नजर आए और फिर पुलिस ने दुकान बंद करा दी। ऐसा ही हाल शिवपुरी और झील चौक की दुकान पर हुआ। विश्वास नगर और मयूर विहार की दुकान जरूर इससे थोड़ी ज्यादा देर खुलने की सूचना मिली। दिल्ली आबकारी विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को भी दुकाने ज्यादातर जगह नहीं खुल पाईं।

कुपवाड़ा के शहीद अश्वनी को दी विदाई

4 साल के बेटे ने दी मुखाग्नि, 6 साल की बेटी ने सलामी दी, पत्नी ने ताली बजाकर पति की वीरता को प्रणाम किया

गाजीपुर/वाराणसी ■ एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में आतंकी हमले में शहीद हुए गाजीपुर के रहने वाले सीआरपीएफ जवान अश्वनी कुमार यादव का अंतिम संस्कार बुधवार को उनके पैतृक गांव चकदाउद में पूरे सैनिक सम्मान के साथ किया गया। शहीद अश्वनी के चार साल के बेटे आदित्य ने उन्हें मुखाग्नि दी। दूर खड़ी उनके 6 साल की बेटी आयशा ने उन्हें सलामी दी। ये दृश्य देखकर लोगों की आंखें भर आईं।

पति की शहादत को सलाम

शहीद अश्वनी की पत्नी अंशु जब पति के पार्थिव शरीर के पास पहुंची तो वह कुछ देर तक शांत रही। फिर उसने ताली बजाकर अपने पति की वीरता का स्वागत किया। यह देख अन्य लोगों ने भी ताली बजाई। गांव की महिलाओं ने अंशु को मालाएं पहनाई। उन्होंने कहा- आपके पति ने देश के लिए प्राण न्यौछावर करके हमारा मान बढ़ाया है।

शहीद की पत्नी ने कहा- बेटी को डॉक्टर बनाना चाहते थे, अब मुझे उसकी चिंता

शहीद की पत्नी ने कहा, 'मेरे पति बेटी को डॉक्टर बनाना चाहते थे। मुझे अब उसकी चिंता है।' इस दौरान सीआरपीएफ के अफसरों ने परिवार की मदद का आश्वासन दिया। वहीं, पत्नी ने कहा- मैं चाहती हूं कि मुझे अपने बच्चों के जीवन यापन के लिए आधार दिया जाए। मुझे अपने बच्चों को आगे ले जाना है।

तीन भाइयों में सबसे बड़े थे अश्वनी

शहीद सीआरपीएफ जवान अश्वनी कुमार तीन भाइयों में सबसे बड़े थे, जबकि उनके दो छोटे भाई अंजनी और अमन है। शहीद जवान अश्वनी यादव की शादी 2012 में हुई थी। उनके 6 साल की बेटी परी और 3 साल का बेटा आदित्य है।

शहीद के परिवार को आर्थिक सहयोग

यूपी सरकार ने शहीद के परिवार को 50 लाख रुपए और परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने का ऐलान किया है। इसमें से 25 लाख का सहयोग दे दिया गया। डीएम व एसपी ने शहीद को श्रद्धांजलि देने के बाद उनकी पत्नी को 20 लाख और मां को 5 लाख रुपए का चेक सौंपा है।

बंद आर्थिक गतिविधियों को मिलेगी फिर से गति

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ाकर रोजगार के अवसरों में वृद्धि, नये निवेश को प्रोत्साहित करने और श्रमिकों के हितों की रक्षा के उद्देश्य से श्रम सुधारों की घोषणा की है। श्री चौहान ने कहा कि इन श्रम सुधारों से कोविड महामारी से प्रभावित उद्योगों एवं व्यवसायों को पुनः पटरी पर लाने के साथ ही आर्थिक क्षेत्र की चुनौतियों को अवसर में बदला जा सकेगा। कोरोना के विश्वव्यापी संकट ने अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव डाला है। अब धीरे-धीरे स्थितियां सामान्य होती जा रही है। प्रदेश में अब आर्थिक गतिविधियों की पुनः शुरूआत हो गयी है। बदली हुई परिस्थितियों में पुराने उद्योग अपने स्थान परिवर्तन पर विचार कर रहे है। वहीं नये उद्योग अपने लिये अनुकूल वातावरण वाले स्थान को प्राथमिकता दे रहे है। बंद आर्थिक गतिविधियों को गति देने के लिये श्रम सुधारों को लागू करने वाले मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आज फेसबुक लाइव के माध्यम से श्रम कानूनों में किए गए परिवर्तनों की जानकारी दीं। उन्होने कहा कि कोरोना संकट के पश्चात उद्योगों को जरूरी रियायतें देने के लिए उठाए गए कदम कारखाना मालिकों को और श्रमिकों के मध्य परस्पर सहयोग का वातावरण निर्मित करेंगे। विभिन्न तरह की अनुमतियों के लिए उद्योग क्षेत्र को बड़ी राहत प्रदान की गई है। प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया है और दफ्तरों के चक्कर लगाने के काम से मुक्ति दी गई है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि पूरे विश्व में कोरोना का संकट है। हमारा देश और प्रदेश भी इससे अछूता नहीं है। हमें लड़कर कोरोना को पराजित करना है। इसके साथ ही अर्थव्यवस्था पर जो बुरा प्रभाव पड़ा है उसे कम करने के लिए और अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी इस दिशा में प्रभावी नेतृत्व कर रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश में आर्थिक गतिविधियों की पुनः शुरूआत की गई है। नए उद्योगों को अनुकुल वातावरण उपलब्ध करवाया जा रहा है। श्रम सुधार करने के पीछे मुख्य उद्देश्य अन्य स्थानों से स्थानंतरित हो रहे उद्योगों और नए स्थापित होने वाले उद्योगों को आकर्षित करना है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में सरलता से नए उद्योग लग सकेगे, लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे और श्रमिकों के हितों की रक्षा होगी। उद्योग जगत में विश्वास का वातावरण बनेगा।

दुकानों के समय में वृद्धि- मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोरोना ने सोशल डिस्टेंसिंग के महत्व से परिचित करा दिया है। बाजारों में भीड़ न हो इस उद्देश्य से प्रदेश की दुकानों के खुले रहने का समय सुबह 8 से रात्रि 10 के स्थान पर सुबह 6 से रात्रि 12 बजे तक रहेगा। इसके लिए आवश्यक अधिसूचना जारी कर दी गई है। कारखानों में कार्य की पाली आठ घंटे से बढ़ाकर 12 घंटे कर दी गई है। कारखाना मालिक अब खुद शिफ्ट परिवर्तित कर सकेंगे।

मंडी अधिनियम बदला- श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश में मंडी अधिनियम में परिवर्तन कर किसानों को घर बैठे उपज विक्रय, निजी मंडियों में फसल बेचने जैसे विकल्प उपलब्ध करवाए गए हैं। प्रतिस्पर्धा बढ़ने से किसानों को अच्छे दाम मिलेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में श्रमिकों के हित से कोई समझोता नहीं होगा। श्रम कानूनों में जो संशोधन किए गए हैं, उसके फलस्वरूप प्रदेश को आगे बढ़ाने में सहयोग मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने विस्तारपूर्वक श्रम सुधारों की जानकारी प्रदान की।

पंजीयन और लाइसेंस सिर्फ एक दिन में- पंजीयन और लाइसेंस का कार्य तीस दिन के स्थान पर एक दिन में होगा। इससे कारखानों दुकानों, ठेकेदारों, बीड़ी निर्माताओं, मोटर परिवहन कर्मकार, मध्यप्रदेश भवन तथा अन्य संनिर्माण कर्मकार अधिनियम में आने वाली निर्माण एजेंसियों का पंजीयन/लाइसेंस एक दिन में मिलेगा।

कारखानों में 12 घंटे की पाली, ओवरटाइम बढ़ा- कारखानों में कार्य करने की पालियां 8 घंटे से बढ़कर 12 घंटे की होंगी। सप्ताह में 72 घंटे की ओवरटाइम मंजूरी दी गई है। कारखाना नियोजक उत्पादकता बढ़ाने के लिए सुविधानुसार शिफ्टों में परिवर्तन कर सकेंगे।

कोरोना वायरस — वैज्ञानिकों ने कहा- गर्मियों के बाद इस वैक्सीन का ह्यूमन ट्रायल किया जाएगा

इजराइल के बाद इटली ने वैक्सीन बनाने का दावा किया, कहा इंसान की कोशिकाओं पर सकारात्मक असर दिखा

रोम ■ एजेंसी

इजराइल के बाद इटली ने घोषणा की है कि उसने कोरोनावायरस के इलाज की वैक्सीन को विकसित किया है। दावा है कि यह वैक्सीन इंसानों पर काम करती है। इटली ने इसे दुनिया की पहली वैक्सीन होने का दावा किया है। अरब न्यूज की एक रिपोर्ट के मुताबिक, रोम के संक्रामक रोगों के हॉस्पिटल ह्यस्पैलैंजानीह्ल में इसका परीक्षण किया गया। इस वैक्सीन से चूहों में एंटीबॉडी विकसित किए गए हैं। विकसित एंटीबॉडी वायरस को कोशिकाओं पर हमला करने से रोकती है। हालांकि, लैब में इंसानी कोशिकाओं पर किए गए इस वैक्सीन का सकारात्मक असर देखने को मिला है। इसके बाद दावा किया गया कि यह इंसान की कोशिकाओं पर भी काम करती है। इस वैक्सीन को टैकिज बॉयोटेक ने विकसित किया है। टैकिज के सीईओ लुईगी ऑरिसिचियो ने इटैलियन न्यूज एजेंसी एएनएसए को बताया, इटली में बनाई गई वैक्सीन की टेस्टिंग सबसे एडवांस स्टेज में है। इस साल गर्मी के बाद इसका ह्यूमन टेस्ट किया जाएगा। इटली में अब तक 29 हजार 315 लोगों की मौत हो चुकी है। यहां 2 लाख 13 हजार 13 संक्रमित हैं। अमेरिका और ब्रिटेन के बाद सबसे ज्यादा मौतें इटली में ही हुई हैं। देश में 10 मार्च से लागू लॉकडाउन तीन मई तक बढ़ाया गया था। इसके बाद कुछ दुकानों को खोलने की छूट दी गई है। इटली में 21 फरवरी को पहला मामला सामने आया था। इससे पहले इजराइल के रक्षा मंत्री नैफ्टली बेनेट ने भी कोरोनावायरस का वैक्सीन तैयार करने का दावा किया है। उनके मुताबिक, इजरायल इंस्टीट्यूट फॉर बायोलॉजिकल रिसर्च ने वैक्सीन तैयार करने में कामयाबी हासिल की है। यह महामारी से लड़ाई में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि यह एंटीबॉडी मोनोक्लोनल तरीके से वायरस पर हमला करती है और इसे शरीर के अंदर ही मारने में सक्षम है। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि वैक्सीन का ट्रायल इंसानों पर हुआ है या नहीं।

अब तक 37.55 लाख संक्रमित और 2.59 लाख मौतें

वॉशिंगटन/लंदन। दुनिया में कोरोनावायरस से अब तक 37 लाख 55 हजार 713 लोग संक्रमित हैं। दो लाख 59 हजार 401 की मौत हो चुकी है, जबकि 12 लाख 58 हजार 332 लोग ठीक हो चुके हैं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कहा है कि उनकी सरकार अगले रविवार को लॉकडाउन में ढील देने की घोषणा करेगी। सोमवार से नए नियम लागू हो जाएंगे। जॉनसन ने विपक्ष के नेता केर स्टार्मर की एक प्रश्न के जवाब में यह जानकारी दी। हालांकि, उन्होंने यह जानकारी नहीं दी क्या-क्या छूट मिलेगी। संभावना है कि प्राइमरी स्कूल खोले जाएंगे। यूरोप में ब्रिटेन महामारी का केंद्र बनता जा रहा है। यहां सबसे ज्यादा 29 हजार 427 लोग जान गंवा चुके हैं। यूरोप में ब्रिटेन, इटली, स्पेन और फ्रांस में ही केवल एक लाख 9 हजार 886 लोगों की मौत हो चुकी है।

संपादकीय

अपनी रक्षा कीजिए

अपने देश में लॉकडाउन में थोड़ी ढील मिलते ही कई जगह कल दिशा-निर्देशों की जिस तरह अवहेलना हुई, वह न केवल दुखद, बल्कि शर्मनाक भी है। केंद्र और राज्य सरकारों ने एक योजना के तहत सोच-समझकर ढील दी है। 40 दिन के लॉकडाउन के बाद कुछ क्षेत्रों में ढील देना आवश्यक हो गया था। समाज और अर्थव्यवस्था की ओर से मांग उठ रही थी। लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी को आसान बनाने के लिए ही सरकार ने रेड, ऑरेंज और ग्रीन जोन की व्यवस्था की। अब केवल कंटेनमेंट जोन में ही पूरी पाबंदियां लागू हैं, तो यह जरूरी भी है, लेकिन बाकी जोन में समाज की जरूरत के हिसाब से कम या ज्यादा रियायत दे दी गई है। दी गई रियायत के लिए लोगों को शासन-प्रशासन का आभारी होना चाहिए। ध्यान रहे, हम मिली हुई रियायत का सम्मान नहीं करेंगे, तो वह छिन जाएगी, जैसे अनेक राज्यों में पहले ही दिन छिन गई। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली जैसे अपेक्षाकृत पढ़े-लिखे क्षेत्र में भी लोग फिजिकल डिस्टेंसिंग का मजाक उड़ाते दिखे, यह किसी अपराध से कम नहीं है। खासकर आबकारी विभाग की दुकानों के आसपास जिस तरह की भीड़ देखी गई है, वह किसी भी समाज के लिए चिंता का विषय है। कई जगह पुलिस को बल प्रयोग के लिए मजबूर होना पड़ा है। कुछ शहरों और राज्यों में दी गई रियायत को वापस भी ले लिया गया है। सरकार ऐसे इलाकों में फिर कड़ाई के लिए मजबूर हुई है और लोगों की मांग पूरी करने के दूसरे रास्ते खोजने को विवश है। कुछ लोग पुलिस या सरकारों को भी दोषी ठहराएंगे, पर कुल मिलाकर यह समय संतुलित चिंतन और समझदारी का है। समाज में एक बड़ा हिस्सा है, जो लॉकडाउन को गलत ठहरा रहा है, तो एक बड़ा हिस्सा ऐसा भी है, जो लॉकडाउन में ही जीवन देख रहा है। सबसे ज्यादा उदास करती चिंता उस हिस्से को लेकर है, जो बार-बार साबित कर रहा है कि उसे फिजिकल डिस्टेंसिंग की खास परवाह नहीं है, उसे केवल पुलिस के डंडे या कानूनी कार्रवाई की भाषा समझ में आती है। ये लापरवाह लोग खुद अपने ही नहीं, समाज के भी दुश्मन हैं। प्रधानमंत्री से लेकर मुख्यमंत्री तक सभी बार-बार कह रहे हैं कि हमें कोरोना से बचकर जीना सीखना होगा, कम से कम कोविड-19 की दवा मिलने तक तो जीने की यही अनिवार्य शर्त है। यह समय है, जब हमें स्व-नियमन सिखना होगा। गौतम बुद्ध ने कहा था, स्वयं दीप बनो। किसी महापुरुष ने नहीं कहा कि स्वयं को नुकसान पहुंचाओ। हम आखिर क्यों ऐसी नौबत लाते हैं कि सरकार ज्यादती करे और पुलिस लाठी उठाए। एक सभ्य, जागरूक, लोकतांत्रिक समाज को स्वयं अपना नियमन और संचालन करना चाहिए। विशेष रूप से जब आपदा आन पड़ी हो, तब तो हमें समाधान का हिस्सा बनना चाहिए, समस्या की वजह नहीं। आज हम पर मूलभूत पाबंदी यही है कि हम भीड़ में न जाएं, परस्पर सुरक्षित दूरी रखें। ध्यान रहे, स्व-नियमन और स्व-सतर्कता में बड़ी ताकत होती है। हम अगर दिशा-निर्देशों की धज्जियां उड़ाएंगे, तो पुलिस भला हमें कब तक बचाएगी? ठीक से समझ लेना चाहिए, अगर एक-एक आदमी यह ठान ले कि वह किसी भी सूरत में फिजिकल डिस्टेंसिंग की पालना करेगा, सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करेगा, तो कड़े लॉकडाउन की जरूरत ही नहीं पड़ेगी और सारे देश को ग्रीन जोन बनने में ज्यादा समय नहीं लगेगा।

कैसे बनेगा निवेशकों में भरोसा

सतीश सिंह

मौजूदा संकट के कारण डेट फंड योजनाओं के जोखिम को लेकर निवेशकों के मन में नकारात्मक धारणा बन गई है। इसका असर दूसरी म्युचुअल फंड योजनाओं से निकासी के रूप में देखने को मिल सकता है। और अगर ऐसा हुआ तो नगदी की समस्या दूर करने को लेकर सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक के लिए मुश्किलें खड़ी हो जाएंगी। म्युचुअल फंड कारोबार की शीर्ष दस में एक अग्रणी कंपनी फ्रैंकलिन टेंपलटन ने पिछले महीने अपनी छह डेट फंड योजनाओं को जिस तरह अचानक बंद कर दिया, उससे निवेशकों की नींद उड़ गई। इससे एक बार फिर यह सवाल खड़ा हो गया कि निवेशकों की पैसे की सुरक्षा का क्या होगा। हालांकि कंपनी ने सभी निवेशकों को पूरा पैसा लौटाने का भरोसा दिया है, लेकिन निवेशकों के मन में बैठा डर कैसे निकलेगा, यह कहीं ज्यादा बड़ी चिंता का विषय है।

फ्रैंकलिन टेंपलटन ने फ्रैंकलिन इंडिया लो ड्यूरेशन फंड, फ्रैंकलिन इंडिया डायनामिक एक्रुअल फंड, फ्रैंकलिन इंडिया क्रेडिट रिस्क फंड, फ्रैंकलिन इंडिया शॉर्ट टर्म इनकम प्लान, फ्रैंकलिन इंडिया अल्ट्रा शॉर्ट बॉन्ड फंड और फ्रैंकलिन इंडिया इनकम ऑपर्चुनिटीज फंड को बंद कर दिया। मौजूदा समय में इस म्युचुअल फंड कंपनी की बाजार में निवेश की कुल चालीस योजनाएं चल रही हैं, जिसका कुल असेट अंडर मैनेजमेंट यानी एयूएम 11।6 लाख करोड़ रुपए का है। इसमें बंद की गई योजनाओं की रकम 25,856 करोड़ रुपए थी। कंपनी की मानें तो उसने कोई चूक नहीं की है और न ही निवेशकों का पैसा डूबा है। ऐसा कदम नगदी संकट के चलते उठाना पड़ा है। पर निवेशक अब अपने निवेश की निकासी नहीं कर सकेंगे। इतना ही नहीं, एसआइपी, एसडब्ल्यूपी और एसटीपी के जरिए भी निवेशक कोई लेन-देन नहीं कर सकेंगे। निवेशकों के भय की मूल समस्या यहीं से शुरू होती है। एक अनुमान के अनुसार डेट फंड योजनाओं को बंद करने से तीन लाख दस हजार आम निवेशक और लगभग दस हजार कॉरपोरेट निवेशक प्रभावित होंगे।

फ्रैंकलिन टेंपलटन देश के म्युचुअल फंड उद्योग की कुल चवालीस कंपनियों में से आठवें स्थान पर है। कंपनी के अनुसार बाजार में छाई अव्यवस्था और नगदी के बढ़ते संकट के कारण उसने इन योजनाओं को बंद कर दिया। अभी समस्या तब खड़ी हुई कि पूर्णबंदी के कारण कारपोरेट निवेशकों और अधिक आय वाले निवेशकों ने अपनी नगदी की जरूरतों को पूरा करने के लिए लगातार अपने म्युचुअल फंड के यूनिटों को भुनाना सुरू कर दिया। लेकिन नगदी नहीं होने के कारण कंपनी निवेशकों का निवेश लौटाने में असमर्थ है।

इसके अलावा, कम अवधि वाले कई डेट फंड जो परिपक्व हो गए थे, उनके निवेशक निकासी के लिए कंपनी पर दबाव बना रहे थे। जैसा कि कहा जा रहा है कि फ्रैंकलिन टेंपलटन को ये योजनाएं इसलिए भी बंद करनी पड़ीं क्योंकि खराब रेटिंग वाली कंपनियों और प्रतिभूतियों में निवेश हो रहा था। आज ऐसी कंपनियां दिवालिया होने के कगार पर हैं और उनके बांडों की रेटिंग को कूड़ा-करकट घोषित कर दिया गया है। फ्रैंकलिन टेंपलटन ने इस साल 31 मार्च तक 62.8 फीसद असेट्स, जो कम अवधि वाले थे, को ए रेटिंग वाले बांडों में निवेश किया था और 45.76 फीसद का निवेश एए वाले रेटिंग बांडों में किया था। बंद की गई डेट फंड योजनाओं का निवेश वोडाफोन आइडिया और यस बैंक द्वारा जारी बांडों में भी किया गया था। चूंकि, इन दोनों कंपनियों की आर्थिक हालात पहले से ही खस्ताहाल है, इसलिए इन कंपनियों के बांडों में किए गए निवेश के डूबने की संभावना बढ़ गई।

जो हो, फ्रैंकलिन टेंपलटन की इन योजनाओं को बंद होने से लगभग अट्ठाईस लाख करोड़ रुपए के म्युचुअल फंड उद्योग पर से निवेशकों के भरोसे को झटका लगा है। पूर्णबंदी के कारण म्युचुअल फंड की कई योजनाओं के निवेशक पहले से नुकसान में हैं और अब फ्रैंकलिन टेंपलटन के इस कदम से और बड़ा झटका लगा है। ऐसे में समस्या पूरे म्युचुअल फंड उद्योग के सामने खड़ी हो गई है कि कैसे दूसरी कंपनियों के निवेशकों को नगदी निकासी से रोका जाए। ज्यादातर निवेशकों को लग रहा है कि कहीं उनके निवेश का हाल भी इसी तरह न हो जाए। इसलिए म्युचुअल फंड कंपनियों के सामने सबसे बडजी चुनौती अपने निवेशकों के भरोसे को बनाए रखने की है। इस घटना का असर यह हुआ है कि निवेशक घबराहट में अच्छी रेटिंग वाले म्युचुअल फंड बांड को भी बेचने में लग गए हैं और इसका नतीजा यह होगा कि आने वाले दिनों में बाजार में नगदी की समस्या गहरा सकती है।

ऐसा नहीं है कि इस तरह का संकट कोई पहली बार आया है। पहले भी गलत निवेश की वजह से म्युचुअल फंड उद्योग मुश्किलों में फंस चुका है। फ्रैंकलिन टेंपलटन के ताजा निर्णय के पीछे भी यह एक बहुत बड़ी वजह है। इस कंपनी ने कम रेटिंग वाली कंपनियों और प्रतिभूतियों में निवेश कर रखा है, जहां पैसा डूबने का खतरा है। लिहाजा, म्युचुअल फंड कंपनियों को कम रेटिंग वाली प्रतिभूतियों में निवेश करने से परहेज करना चाहिए। गौरतलब है कि ह्यएएएह्न रेटिंग वाली प्रतिभूतियों में निवेश करना सुरक्षित माना जाता है। इसके अलावा, ज्यादातर डेट फंड योजनाओं द्वारा किए जाने वाले निवेश की श्रेणियों में जोखिम को परिभाषित नहीं किया जाता है, जिससे निवेश के डूबने की संभावना बनी रहती है। कुछ फंड जैसे, क्रेडिट रिस्क फंड और कॉरपोरेट बांड फंड क्रेडिट एक्सपोजर के जोखिम को पारिभाषित करते हैं। कॉरपोरेट बांड फंड के मामले में अस्सी फीसद परिसंपत्तियां उच्च रेटिंग वाली प्रतिभूतियों में निवेश की जानी चाहिए। निवेश को कम एवं ज्यादा जोखिम में विभाजित करने से निवेश के सुरक्षित रहने की संभावना बढ़ती है। इस आलोक में नियामकीय संस्थाओं को भी चाहिए कि वे जोखिम को कम करने की दिशा में काम करें और निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए समय-समय पर जरूरी कदम उठाती रहें।

इस तरह के संकट से बचने के लिए निवेशकों को भी सतर्क रहने की जरूरत है। म्युचुअल फंड में निवेश करने से पहले निवेशकों को चाहिए कि वे फंड का चुनाव सही तरीके से करें। डेट फंड में निवेश करने वाले निवेशकों को चाहिए कि वे देख लें कि डेट फंड के प्रबंधक किन रेटिंग वाली प्रतिभूतियों में निवेश कर रहे हैं। अगर वे खुद बारीकियों को समझने में असमर्थ हों तो किसी वित्तीय सलाहकार से सलाह लेनी चाहिए। अच्छी रेटिंग वाली डेट फंड के डूबने की संभावना बहुत ही न्यून होती है। हां, इक्विटी फंड में जोखिम ज्यादा रहता है। इसलिए इस फंड में निवेश करने से पहले वित्तीय सलाहकार की मदद ले लेनी चाहिए। निवेशकों को खुद भी इनकी समझ रखनी चाहिए और नियमित रूप से वित्तीय हलचलों पर पैनी निगाह रखनी चाहिए।

मौजूदा संकट के कारण डेट फंड योजनाओं के जोखिम को लेकर निवेशकों के मन में नकारात्मक धारणा बन गई है। इसका असर दूसरी म्युचुअल फंड योजनाओं से निकासी के रूप में देखने को मिल सकता है। अगर ऐसा हुआ तो नगदी की समस्या दूर करने को लेकर सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक के लिए मुश्किलें खड़ी हो जाएंगी।

हालांकि केंद्रीय बैंक ने म्युचुअल फंड उद्योग को राहत देने के लिए पचास हजार करोड़ रुपए की नगदी सुविधा उपलब्ध कराई है, जिसका संचालन बैंकों के माध्यम से होगा। वित्तीय क्षेत्र में गहराते संकट से भारतीय रिजर्व बैंक भी डरा हुआ है और वह बाजार में सीधे नगदी डालने से बच रहा है। वित्त वर्ष 2008-09 और वर्ष 2013 में वित्तीय अस्थिरता के कारण बाजार में खलबली मची थी, लेकिन इस बार जोखिम को सही तरह से आकलित नहीं कर पाने के कारण निवेशकों को नुकसान हुआ है। इसलिए आने वाले दिनों में म्युचुअल फंड योजनाओं से जोखिम को कम करने के लिए सरकार और केंद्रीय बैंक को सतत प्रयास करना होगा, तभी निवेशकों के हितों की रक्षा संभव हो पाएगी।

कोरोना आपदा

कोरोना काल में लॉकडाउन की कवायद पर पानी न फेर दे शराब के ठेके खोलने की जल्दबाजी

दीपक कुमार त्यागी

सम्पूर्ण विश्व में आजकल मानव सभ्यता का सबसे बड़ा दुश्मन बन गए कोरोना वायरस संक्रमण की गंभीर बीमारी का आपदाकाल का बेहद संवेदनशील दौर चल रहा है। देश में भी आकड़ों के अनुसार 5 मई की प्रातः 8 बजे तक कोरोना के एक्टिव पॉजिटिव मरीजों की संख्या फिलहाल 32138 है, जबकि 12726 मरीज वो अलग है जो ठीक हो गए हैं और जिनको अस्पताल से छुट्टी देकर घर भेज दिया गया है, साथ ही देश में 1568 मरीजों की मृत्यु कोरोना संक्रमण के चलते हो चुकी है।

देश में कोरोना संक्रमण सरकार की लॉकडाउन की कवायद चलने के बाद भी अभी तक रुकने का नाम ही नहीं ले रहा है, वह अभी तक तो दिनप्रतिदिन बढ़ता जा रहा है, लेकिन अच्छी बात यह है कि देश में स्थिति अभीतक पूर्ण रूप से नियंत्रण में है। भयावह आपदा के मद्देनजर बचाव के लिए देश में कोरोना वायरस के लगातार बढ़ते संक्रमण को देखते हुए, गृहमंत्रालय के द्वारा 17 मई तक लॉकडाउन बढ़ाने का आदेश जारी कर दिया गया था। लोगों को चरणबद्ध तरीके से कुछ मिलने वाली छूट के साथ लॉकडाउन-3 का काल 4 मई से शुरू हो गया है। लोगों को मिलने वाली इस छूट में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि देश में ग्रीन-ऑरेंज-रेड सभी जोन में कुछ शर्तों के साथ शराब के ठेकों को खोलने की अनुमति प्रदान कर दी गई है। इस अनुमति के आधार पर जब 4 मई को शराब के ठेके खुले तो वहाँ पर शराब खरीदने के लिए इकट्ठा भारी भीड़ का जमघट सोशल डिस्टेंसिंग के बनाए नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए नजर आया।

देश के अलग-अलग जनपदों से आई तस्वीरों के अनुसार अधिकांश ठेकों पर कई-कई किलोमीटर लम्बी लाईन लगी हुई थी, कुछ जगह लोगों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को हल्के बलप्रयोग का उपयोग तक करना पड़ा। अनियंत्रित भारी भीड़ के रूप में देश में लॉकडाउन के बाद खुले शराब के ठेकों पर लोगों की शराब के प्रति दीवानगी स्पष्ट नजर आ रही है। जिस तरह से लॉकडाउन में 45 दिन के लम्बे अंतराल तक बंद रहने के बाद भी लोगों की शराब पीने की लत नहीं गई, वह डॉक्टरों के साथ-साथ एक आम-आदमी को भी आश्चर्यचकित करती है।

लेकिन कोरोना काल में शराब के ठेकों को खोलने के चलते जिस तरह से सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ाई गयी है, वह स्थिति देश व समाज के लिए बहुत ही चिंतनीय है, यह एक गलती आने वाले समय में देश के लोगों के जीवन पर बहुत भारी पड़ सकती है। वैसे भी हम लोगों के सामने व सरकार के सामने कोरोना काल में लापरवाही के चलते जबरदस्त खामियाजा उठाने के उदाहरण विश्व के अलग-अलग देशों में भरे पड़े हैं। लेकिन शराब के ठेकों पर उमड़ी भीड़ के हालात देखकर लगता है, कि देश की जनता ने उन हालातों से कोई सबक लिया है। जिस तरह से अमेरिका, यूरोप, इटली, जर्मनी और रूस आदि देशों में कोरोना का भयावह प्रहार जारी है। उस वक्त देश में राजस्व बढ़ाने के लिए शराब के ठेकों को खोलने का निर्णय बिल्कुल भी उचित नजर नहीं आता हैं। बहुत सारे लोगों पर राशन तक के लिए पैसे नहीं है, उनका परिवार पेट भरने के लिए सरकार या दानवीर भामाशाहों पर निर्भर है और वो शराब के ठेके खुलने की खबर सुनते ही तड़के सबेरे जाकर ही शराब खरीदने के लिए लाईन में लग गये, यह स्थिति किसी भी परिवार के लिए ठीक नहीं है। इसके चलते देश में पारिवारिक हिंसा, दुर्घटनाओं व अपराधों में जबरदस्त बढ़ोत्तरी होगी। देश के नीतिनिर्माताओं को यह सोचना चाहिए की शराब के ठेके खोलकर राजस्व बढ़ाने की यह कवायद, आपदाकाल में लोगों को संक्रमित करके देश के राजस्व पर उल्टा भारी बोझ न डाल दे। कोरोना के इस बेहद खतरनाक वक्त में सरकार का यह निर्णय लोगों की भयंकर लापरवाही के चलते भयानक भूल साबित हो सकता है। सरकार को समय रहते सोचना होगा कि शराब के ठेकों को खोलने की जल्दबाजी घातक कोरोना वायरस संक्रमण के काल में देश में बहुत अच्छे ढंग से चल रही लॉकडाउन की सारी कवायद पर पानी न फेर दे। आपदा के समय में सरकार की यह एक भूल हिन्दुस्तान की जनता को कभी ना भूल पाने वाले ऐसे गहरे जख्म ना दे जाये जिनकी भरपाई करना बेहद मुश्किल हो जाये। सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ाकर शराब पीने के लिए उतावले लोगों को भी सोचना चाहिए कि वो जब 45 दिन तक बिना शराब के जिंदा रहे तो थोड़ा धर्य रखकर सरकार का सहयोग करने में उनका कुछ नुकसान नहीं हो जाता। सरकार आखिर क्या-क्या करें वो लोगों की रोटी का जुगाड़ करे या शराबियों के लिए लाईन भी पुलिस की देखरेख में लाठी के दम पर लगवाए, देश में रहने वाले लोगों की क्या कोई जिम्मेदारी नहीं है?

हम सभी को ठंडे दिमाग से विचार करना चाहिए कि जिन देशों से यह घातक कोरोना वायरस का संक्रमण आया है, वहां पर लाशों को लेने की लिए उनके परिजन तक तैयार नहीं है, लाशों पर फूल चढ़ाने वाले अपने लोग भी नहीं मिल रहे हैं।

वहां लाशों के अंतिम संस्कार करने के लिए मुर्दाघरों में लाशों की लम्बी वेटिंग चल रही है। लेकिन हम लोग है कि सरकार हमारी भलाई के लिए जरा सी ढील दे तो हम नियम, कायदे व कानून की धज्जियां उड़ाकर बेहद उद्दंड बन जाते है। दोस्तों मेरा आप सभी से अनुरोध है कि देशहित में स्वयं व अपने परिवार को सुरक्षित रखने के लिए कोरोना के इस आपदा काल में सरकार के द्वारा जारी दिशा निर्देशों का अक्षरसः पालन करके जीवन को सुरक्षित करें। इस भयावह आपदा के समय में अन्य देशों में की गयी गलती को मत दोहराओं, समय रहते सजग होकर जिम्मेदार नागरिक बनकर अन्य देशों के कोरोना काल के क्रूर इतिहास से सबक लेकर सुधार जाओं। वरना एक भयंकर भूल के चलते वह क्रूर दिन दूर नहीं है जब एक ही पल में लाशों को गिनना असंभव हो सकता है। सरकार ने व हम सभी लोगों ने अभी तक देश में मेहनत करके पूर्ण धर्य का परिचय देते हुए घातक कोरोना वायरस के संक्रमण पर बहुत ही अच्छे ढंग से नियंत्रण बनाकर रखा है, उस मेहनत पर शराब पीने के उतावलेपन या अन्य किसी हरकत से अपने ही हाथों से पानी फेरने का कार्य न करें। बेवजह घर से बाहर न जाये अधिक से अधिक समय घर में रहें खुद सुरक्षित रहें व अपनों को सुरक्षित रखें।

कल और आज की परिस्थितियाँ अलग

कल और आज के परिपेक्ष्य में हम इतना स्पष्ट तौर पर कह सकते हैं कि प्रकृति से दूर होती हमारी जीवन शैली भौतिक सुख को ही सुख समझकर दिन रात प्रकृति का दोहन करता रहा चाहे वह विज्ञान हो अथवा ज्ञान प्रकृति से जिसको जहाँ मिलता गया दिन-रात बस लेता रहा। इस चक्कर में वह भूल गया कि पकृति की मात्रा भी सीमित है।उससे उतना ही लेना चाहिए जितनी की आवश्यकता हो? पूर्व की संस्कारो में प्रकृति प्रेम का वास था लेकिन आज की शहरी संस्कृति और एकल परिवार ने हमें संस्कार और प्रकृति से दूर किया है।चाहकर भी हम बच्चों को अपने साहित्य और संस्कृति के प्रति रूचि नही जगा पाते आखिर क्यों? क्योंकि बचपन से ही वैसी परिवेश, बड़ो का संपर्क, सामाजिक सभ्यता,संस्कृति, आदि से वे दूर होते है तो उनकी रूचि कैसे होगी।चंद किताबें मोवाइल टीवी और माँ-बाप यही देखकर वो बड़े होते है तो आखिर कैसे विकसित हो वह सोच? जिसमें वसुधैव कुटुम्बकम का वास है।यह सोचनीय है।यह मूल और आधारभूत कारण ही तमाम विकृति की जड़ है, जो सामाजिक, प्राकृतिक और सांस्कृतिक उद्देश्यो से दूर ले जाती है और हम गलती पर गलती करते जाते हैं। मौजूदा वक्त में महामारी अनेक प्रकार की बीमारी और बढ़ती मृत्यु का आँकड़ा पुनः प्रकृति के गुस्से का प्रकोप कहा जाता है।अनेक प्रकार की भ्रांतियाँ है ।लेकिन इतना तो सच है कि इस बंदी ने एक काम तो अवश्य किया कि पुनः प्रकृति प्रेम की मानसिकता जरूर तैयार कर दी है।अब यह आप पर निर्भर करता है कि आप इसका कितना पालन करते हैं ।आने वाले समय में यह एक रास्ता भी दे गया है सरकार और पर्यावरण विशेषज्ञ के लिए कि बंदी कर पर्यावरण प्रदूषण को कम किया जा सकता है।यह एक वरदान के तौर पर देखा जा रहा है अगर किसी को सबसे ज्यादा फायदा हुआ तो वह है हमारी प्रकृति तो पर्यावरणविद का खुश होना लाजिमी है।

आशुतोष
पटना बिहार

थाना प्रभारी से एसडीओपी ने कहा पटक-पटक कर मारूंगा

सेवढा।। दतिया जिले के अतरेटा थाना प्रभारी ने पुलिस कप्तान दतिया से लिखित में शिकायत की है कि एसडीओपी सेबढ़ा ने उन्हें धमकी दी है की वह उन्हें पटक-पटक कर मारेगा। थाना प्रभारी ने अपनी शिकायत में कहा है कि यह वर्दीधारी अफसर का सेवा शर्तों का उल्लंघन है इसलिए उनके खिलाफ कार्रवाही की जाए थाना प्रभारी अतरेंटा जय कृष्ण राजोरिया ने अपनी लिखित शिकायत में कहा है कि वह बीती रात गश्त पर था तभी रात 1ः00 बजे डोंगरपुर मैं उन्हें एसडीओपी सेवड़ा राम सिंह राठौर वे जिस गाड़ी में थे उसमें दो अंगरक्षक के साथ तीन पुलिसकर्मी और दो जनता के आदमी थे मैंने जब दो प्राइवेट आदमियों को इतनी रात में उनके साथ घूमने के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि इससे तुम्हें क्या लेना देना मैंने कहा यह मेरे थाना क्षेत्र में घूम रहे हैं इसलिए मेरा पूछना जरूरी है तो एसडीओपी बोले यह क्या तुम्हारी जागीर है तुम दिमाग खराब मत करो नहीं तो पटक-पटक कर मारूंगा। वहीं सूत्रों ने कहा कि थाना प्रभारी में अपने इलाके में अवैध रेत रोक दी है जो एसडीओपी को अखर रही है और वह अपनी गाड़ी में रेत माफियाओं को बैठा कर ले जाते हैं सूत्रों ने यह भी कहा कि अफसर के संरक्षण में ही रेत माफिया अवैध रेत निकालते हैं वही आला अफसरों ने कहा की शिकायत मिली है उसकी जांच करवाई जा रही है और बयान लेने के बाद जो भी दोषी मिलेगा उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सब थमा था, बस वे नहीं

जी हाँ, सही समझे आप सभी, जहाँ पूरी दुनिया रुक गयी है, पूरा देश ठहर गया है, हर कोना सूना पड़ा है (शायद क्यूँकि अब कोई गुटखा थूकने वाला नही बचा), वही पर देश के अंदर डाक्टर और देश की सीमाओं पर जवान अपना फ़र्ज़ पूरा कर रहे है। हाँ ये वही आम व्यक्ति है जिनके शहीद हो जाने पर हमारे देश की जनता को कोई ख़ास फ़र्क़ नही पड़ता वो शायद इसीलिए कि जनता उन्हें जानती ही नहीं ! शुरुआत देश के जवानो से करते हुए, मैं यही कहूँगा कि जहाँ आज के इस ज़माने में घर का एक सदस्य ही घर के अन्य सदस्यों के लिए अपने प्राण नहीं त्याग सकता, वहाँ ऐसे मनुष्य भी है जो अपने देश के ख़ातिर भगवान श्री राम के भांति अपने घर, परिवार, सुख व शांति का त्याग कर देते है और हम देशवासी उन सभी वीरों को एक अंतिम सलाम भी नहीं कर पाते ! कभी स्मरण किया है कि उस परिवार पर क्या व्यतीत होता होगा, जिसका एक जवान बेटा था पर क्यूँकि वो एक देश का जवान भी था इसीलिए अब इस दुनिया में नहीं रहा। वह दर्द वह पीड़ा सोचकर ही रोंगटे खड़े हो जाते हैं। ये तो थी एक हल्की सी झलक देश के उन वीरों की जो सीमाओं पर वतन के वास्ते दिन रात पहरा दे रहे है। अब

थोड़ा सा इन वीरो के लिए भी लिखूँगा जो देश के अंदर रहकर देश की जनता को बचाने के लिए दिन रात मेहनत कर रहे है। अब क्या कहना है उन सभी का जो पहले यह चर्चा किया करते थे कि, सर्दी ख़ासी हो रही है, बुखार भी है पर यदि डाक्टर के पास गए तो वे तो लूट लेंगे। अरे भाई!! दुनिया में खेती बाड़ी से लेकर साइंटिस्ट बनने तक हर व्यक्ति जो भी कार्य कर रहा है, कही ना कही उसका महत्वपूर्ण कारण एक अच्छी राशि कमाना है। फिर एक डाक्टर तो आपकी ज़िंदगी बचा कर कुछ रुपए फ़ीस के तौर पर ले रहा है तो इसमें ग़लत क्या है? एक डाक्टर की पीड़ा का अंदाज़ा भी नहीं लगाया जा सकता, जो कम से कम 10 साल की कड़ी और अटूट मेहनत के बाद एक सफल डाक्टर के रूप में उभर कर आ पाते है। इसके बाद इन्हें मिलता क्या है? बस एक इल्ज़ाम लूटने का और दूसरा दर्द, और अपमान पत्थरो का ! आज की तारीख़ में इस महामारी से पीड़ित होने के बाद जितने भी कुल मरीज़ ठीक हुए है उनकी संख्या शून्य होती अगर डाक्टर ना होते। पत्थरबाज़ी और बदतमीजी सहन करने के बावजूद जहाँ हर व्यक्ति इस महामारी से बचने के लिए घरों में बैठे है, वही यह डाक्टर रूपी देश के वीर खुद अपनी जान जोखिम में डालकर, संक्रमित लोगों की जान बचाने की कोशिश में जुटे हुए है। आश्चर्यजनक बात तो यह है कि हमें अनुमान भी नहीं कि कितने ही सीमा पर लड़ते जवान और अस्पतालों में जीवन रक्षक बने डाक्टर, नर्स व अन्य कर्मचारी अपनी जान गवाँ चुके है। इतना सब घटित/व्यतीत हो जाने पर भी ना तो हमारी ज़िंदगी रूकती है और ना हँसी-मज़ाक़ के विडीओज़ फ़ॉर्वर्ड करना रुकते है। आज हर बच्चा बच्चा यह दुखद बात जानता है कि बेहद बेहतरीन दो बॉलीवुड सितारे हमारे बीच नहीं रहे (मैं भी तहें दिल से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ)लेकिन हैरान हूँ यह सोचकर कि बच्चें यह क्यू नहीं जानते कि कितने योद्धा भी शहीद हुए, जो कि हमारे लिए लड़ते हैं इसका कारण शायद संस्कृति के बदलते स्वभाव का असर है, जिसकी जड़े बीतते वक़्त के साथ कमज़ोर होती जा रही है, यह एक अफसोस का विषय है और इस पर सभी को विचार करना चाहिए! इस महामारी के दौरान, एक सलाम हर शहीद के नाम!

अरविंद द्विवेदी
ज्योतिषी और परामर्शदाता

रोड एक्सीडेंट में फिल्म एक्टर की मौत, केवल 30 साल की उम्र थी

सिनेमा जगत को एक के बाद एक कई झटके लगा रहे है। पिछले हफ्ते बॉलीवुड सिनेमा के दो मशहूर सितारों को खोया था। वहीं अब इस लिस्ट में एक और एक्टर का नाम जुड़ गया है। मलयालम एक्टर बेसिल जॉर्ज का निधन हो गया है। खबरों के मुताबिक रविवार की रात केरल के एनार्कुलम जिले में उनका एक्सिडेंट हो गया था जिससे उनकी मौत हो गई। बता दें कि जॉर्ज केवल 30 साल के थे। इस कार एक्सीडेंट में जॉर्ज समेत तीन लोगों की मौत हुई है तो वहीं 5 लोग बुरी तरह जख्मी हैं। यह कार पास में मौजूद एक इमारत से जाकर टकरा गई थी जहां मजदूर रहते हैं। बताया जा रहा है कि कार कोलेंचेरी से मुवातु पूजा की तरफ जा रही थी कि तभी ड्राइवर ने इसपर नियंत्रण खो दिया और कार एक बिजली के खंभे से जाकर टकरा गई। इसके बाद यह एक दुकान और फिर एक बिल्डिंग से टकराई। इस घटना के बाद वहां के आसपास के लोगों ने घायलों को कोलेंचेरी के मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया। बता दें कि पिछले साल 30 अगस्त को जॉर्ज की फिल्म पुवालियम कुंजुदम रिलीज हुई। फिल्म में उनके अलावा आर्या मनिकांदा, शम्मी थाईलकन और नीना कुरूप अहम रोल में थे।

कोरोना से जंग में गरीबों के लिए मसीहा बने सलमान

एक बार फिर बॉलीवुड के दिहाड़ी लेबर्स को पहुंचाई मदद

कोरोना वायरस के संक्रमण और लॉकडाउन के बीच गरीबी से जूझ रहे लोगों की मदद के लिए बॉलीवुड सिलेब्रिटीज की तरफ से बढ़ाया गया हाथ वाकई काबिल-ए-तारीफ है, क्योंकि मौजूदा हालात के बीच, दुनिया को सही समय पर सहानुभूति, प्यार और फाइनेंसियल सपोर्ट की सबसे ज्यादा जरूरत है। बॉलीवुड ऐक्टर और सबके भाईजान, सलमान खान लॉकडाउन के शुरुआती दिनों से ही आर्थिक रूप से दिहाड़ी मजदूरों की मदद कर रहे हैं और कोरोना वायरस के प्रकोप के दौरान प्रभावित लोगों को राशन प्रदान कर रहे हैं।

सलमान खान उन पहले लोगों में से एक थे। जिन्होंने ये तय किया कि पैसे सीधे 25,000 दैनिक ग्रामीणों के बैंक खाते में ट्रांसफर किए जाए। जिसकी ग्रामीणों को सख्त जरूरत थी। सलमान की मदद का सिलसिला यहीं नहीं रुका सलमान ने फिल्म बिरादरी के 7000 दैनिक वेतन श्रमिकों के खाते में भी पैसे ट्रांसफर कराए। भाईजान ने ऑल इंडिया स्पेशल आर्टिस्ट एसोसिएशन (एआईएसएए) से जुड़े 90 लंबित दिहाड़ी मजदूरों की भी मदद की। जो एफडब्ल्यूआईसीआई के विंग है। इसके अलावा सलमान ने राज्य के अलग-अलग कोनों से हजारों लोगों के लिए भोजन आपूर्ति की व्यवस्था की। उसी का एक वीडियो इंटरनेट पर हाल ही में सामने आया है। जहां खेत के आसपास के ग्रामीणों के लिए आवश्यक सामान लदे नजर आए। सलमान खान ने खुद भी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो पोस्ट किया, जिसे फैन्स ने काफी ज्यादा पसंद किया। वीडियो में सलमान ट्रक से खाने का सामान उतरवाकर लोगों में बांटते नजर आ रहे हैं। इस काम में सलमान खान का साथ उनके परिवार वाले भी बखूबी देते दिखाई दे रहे हैं। खास बात तो ये है कि वीडियो में सलमान के साथ यूलिया वंतुर और जैकलीन फर्नांडीस भी साथ नजर आ रही हैं। वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखते हुए सलमान ने कई वीडियो जारी किए हैं। जहां उन्होंने अपनी राय दी है, और राष्ट्र के लोगों से घर के अंदर रहने और सामाजिक दूरी बनाए रखने की भी अपील की है।

दीपिका सांप से डरती हैं और रणबीर कॉकरोच से...

डर हर किसी को लगता है और वही डर जब उन पर हावी हो जाता है तो वे फोबिया बन जाता है। बॉलीवुड सितारे जो कि करोड़ों लोगों के आदर्श है उन्हें भी किसी ना किसी चीज का डर सताता है। जब डर ज्यादा बढ जाता है तो आप उससे दूर भागने लगते हैं। ऐसा फोबिया हमारे बॉलीवुड स्टार्स में भी है। बी टाऊन स्टार्स को भी लगता है डर । कौन सा स्टार किससे खौफ खाता है ये आपको बताते हैं।

रणबीर कपूर

रणबीर यूं तो प्यार के मामले में खिलाड़ी हैं लेकिन रणबीर किसी को देखते ही अनाड़ी बन जाते हैं। किसी को देखते ही उनकी सिट्टी पिट्टी हो जाती है गुम। रणबीर को डराने वाला कोई और नहीं बल्कि कॉकरोच है। रणबीर को कॉकरोच दिखता नहीं कि वो तो बस वहां से सरपट भाग लेते है। रणबीर को कॉकरोच से नहीं स्पाईडर्स से भी डर लगता है। उनके घर में प्रोड्यूसर्स डायरेक्टर्स सब आ सकते है लेकिन स्पाइडर्स की नो एंट्री है। स्पाइडर्स देखते ही रणबीर हो जाते है पैनिक और ये बात उनकी एक्स गर्लफ्रेंड दीपिका पादुकोन को भी है पता। बी टाऊन के सावंरिया कपूर का फीयर फैक्टर यहीं खत्म नहीं होता । हैंडसम रणबीर तो पानी में छलांग लगाने से भी बहुत डरते है । फिल्म अनजाना अनजानी की शूटिंग के दौरान रणबीर को समंदर में कूदना पड़ा था और उन्हें पानी में उतारने में डायरेक्टर के पसीने छूट गए थे।

दीपिका पादुकोण

दीपिका पादुकोण को भी है किसी का डर। बहुत ज्यादा डर। दीपिका का डर है सांप । सांप को देखते ही गुम हो जाते है दीपिका के होश। दीपिका को जब भी सांपो के साथ शूटिंग करनी पड़ती है वो बहुत डरी सहमी रहती है।

कटरीना कैफ

दीपिका का डर तो फिर भी जायज है सांप से तो हर किसी को डर लगता है लेकिन कटरीना तो टमाटर से डरती हैं। टमाटर भी कोई डरने की चीज है भला। दरअसल फिल्म जिंदगी ना मिलेगी दोबारा टैमोटिना सॉन्ग में कटरीना के टमाटर फोबिया को और बढ़ा दिया। कटरीना ना तो टमाटर खाती हैं और ना ही इसे अपने आस - पास बर्दाश्त करती है। एक बार तो कटरीना ने जाने माने सॉस ब्रान्ड को सिर्फ इसलिए ना कर दिया था कि उन्हें टमाटर के साथ शूटिंग करनी पड़ती । टमाटर ने बचने के लिए कैट ने अपना लाखों का नुकसान करवा लिया था। वैसे कटरीना को टमाटर के अलावा भी एक चीज डराता है और वो है ऊंची हाइट। कटरीना जब भी घर चेंज करती है तो इस बात का ध्यान रखती है उनका घर बहुत उंचाई पर ना हो।

शाहरुख खान

भले ही शाहरुख बॉलीवुड के बादशाह हो लेकिन इस बादशाह को भी लगता है डर। एक ऐसा जिसे वो करना चाहते है अवॉइड। किंग खान को अगर घोड़ों के साथ शूटिंग करना पड़े तो उनके छूट जाते है पसीने । किंग खान को अपने करियर के शुरूआती दिनों में बाजीगर बनना पड़ा था और घोड़े पर बैठते ही इस बाजीगर के पसीने छूट जाते थे। फिल्म करण अर्जुन में भी शाहरुख को घोड़ो की सवारी करनी पड़ी थी और शूटिंग के दौरान उन्हें हर वक्त डर लगता रहता है।

अर्जुन कपूर

अर्जुन के दिल में भी किसी का खौफ रहता है और उन्हें किस चीज से डर लगता है ये सुनकर तो आप चौंक ही जाएंगे। अर्जुन को सीलिंग फैन से लगता है डर। अर्जुन को लगता है कि फैन उनपर गिर पड़ेगा.....कहीं भी फैन लगा हो तो अर्जुन उस कमरे में जाते तक नहीं। उनके घर मे एक भी सीलिंग फैन आपको नजर नहीं आएगा। अर्जुन का ये डर अजीबोगरीब है और जो भी सुनता है चौंक जाता है आखिर अर्जुन को सीलिंग फैन का डर क्यें सताता है।

विद्या बालन

और अब जान लेते है विद्या बालन के डर के बारे में। विद्या को कैट्स का खौफ सताता है। विद्या बिल्ली को देखते ही मीलों दूर भागती हैं। अगर किसी फिल्म के सेट पर उन्हें बिल्ली के साथ शूटिंग करना पड़ जाए तो विद्या अपने वैनिटी वैन में ही बंद रहती हैं।

आलिया भट्ट

आलिया को अंधेरे से बहुत डर लगता है। फिल्म हाइवे की शूटिंग कई बार उन्हें अंधेरे में करनी पड़ी थी और आलिया तब बहुत डरी सहमी रहती थी। आलिया अपने घर में कभी भी लाइट ऑफ करके नहीं सोती। उनके कमरे में हमेशा लाइट जलती रहती है और अगर कभी उनके अपार्टमेंट में रात को लाइट चली जाए तो उनकी चीख निकल जाती है। आलिया हमेशा कोशिश करती हैं कि कभी अंधेरे से ना हो उनका सामना।

अनुष्का शर्मा

अनुष्का भले ही साइकिल की सवारी कर ले लेकिन मोटर साइकिल पर चढ़ने के लिए कोई उनसे ना कहे लेकिन क्या करे अनुष्का को अपनी फिल्मों में एक्टिंग के दौरान वो सब करना पड़ता है जिससे वो खौफ खाती हैं। अनुष्का को तो अपनी पहली ही फिल्म में बाइक चलानी पड़ गई थी। फिल्म रब ने बना दी जोड़ी में बाइक चलाने का सीन उनके लिए एक अग्निपरीक्षा थी।

श्रद्धा कपूर

श्रद्धा कपूर यूं तो अपनी फिल्मों में खूब बारिश में भीगती है लेकिन बारिश के दौरान इन्हें आसमान में चमकने वाली बिजली से लगता है डर। श्रद्धा बिजली से डरती है लेकिन कई फिल्मों में उन्हें बारिश और बिजली के बीच ही करनी पड़ी शूटिंग। आशिकी 2 हो या फिर बागी उन्हें बारिश में भीगते हुए शूट करना पड़ा।

अक्षय-अजय कोरोना से जंग में आए साथ

बॉलीवुड सितारे अपने फैंस को कोविड-19 के प्रति अवेयर करने का काम कर रहे हैं। हाल ही में अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और अजय देवगन एक साथ आए हैं और धारावी के रैपर के साथ मिलकर एक नया सॉन्ग आउट किया है। इस म्यूजिक एल्बम को हिंदी के साथ-साथ तमिल और मराठी में भी रिलीज किया गया है। इस म्यूजिक वीडियो में दीया मिर्जा, अतुल कुलकर्णी और राना दग्गुबाटि भी नजर आ रहे हैं। इस सॉन्ग को जोएल डी सूजा ने डायरेक्ट किया है। हाल ही में सुनील शेट्टी ने इस वीडियो में काम करने को लेकर अपनी खुशी जाहिर की है। बॉलीवुड एक्ट्रेस दिया मिर्जा ने भी इस म्यूजिक एल्बम का हिस्सा बनकर अपनी खुशी जाहिर की। हाल ही में दिया देश की महिलाओं के साथ एक कैंपेन का हिस्सा भी बनी थी, जिसके जरिए वह भी सभी को कोविड-19 के प्रति सावधानियां बरतने के लिए जागरूक करती हुई नजर आई थी। गाने के शब्दों के जरिए हर किसी से अपील की गई है कि वह सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें। यह वीडियो हर किसी में जोश की भावना को जागृत कर ही रहा है। साथ ही सभी को इस वायरस के प्रकोप से बचने के लिए भी सावधान कर रहा है। आपको बता दें बॉलीवुड सितारे लगातार ऑडियंस में पॉजिटिविटी फैलाने का काम कर रहे हैं। ऐसे वीडियो बनाकर हर किसी को जागरुक कर रहे हैं। इतना ही नहीं ऐसे वक्त में जरूरतमंदों की मदद कर एक मिसाल भी पेश कर रहे हैं और बाकी सभी से भी जरूरतमंदों की मदद करने की अपील कर रहे हैं। बॉलीवुड सितारों ने पीएम केयर फंड में आर्थिक योगदान कर जरूरतमंदों की मदद का ऐलान भी किया है।

ब्लड प्रेशर लो के चलते अस्पताल पहुंची थी संभावना सेठ, खुद किया खुलासा

बॉलीवुड एक्ट्रेस और आइम गर्ल संभावना सेठ को लेकर बीते दिन खबर आई थी कि अचानक उनकी तबीयत खबर हो गई है। जिसके चलते उन्हें कुछ घंटें अस्पताल में बिताए थे। उनके पति अविनाश ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करके इनकी दी थी। हालाकि अब उनकी तबीयत ठीक है और वो घर पर आराम कर रही हैं। वहीं अब एक्ट्रेस संभावना सेठ का इस बारे में खुद खुलासा किया है। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया है कि मेरा ब्लड प्रेशर बहुत लो हो गया था जिसकी वजह से वो बेहोश हो गई थीं और आनन-फानन में उन्हें कोकिलाबेन हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया। तबीयत खराब होने के बाद सुबह 4 बजे ही मुझे हॉस्पिटल ले जाया गया, लेकिन किसी भी हॉस्पिटल में हमें अंदर जाने नहीं दिया गया। हॉस्पिटल ने अपने गेट तक नहीं खोले। हमने कई सारे हॉस्पिटल में जाने की कोशिश की, लेकिन किसी ने गेट नहीं खोले तो हम कोकिलाबेन हॉस्पिटल गए। शुक्र है उन्होंने मुझे अटेंड किया। लेकिन मेरा पूरा चेकअप और इलाज करने के बाद उन्होंने मुझे जाने के लिए कह दिया, क्योंकि वहां रुकना सेफ नहीं था। इसलिए हम दिन में दोबार अस्पताल पहुंचे गए थे। उन्होंने आगे बताया कि जब हम एक हॉस्पिटल से दूसरे हॉस्पिटल भाग रहे थे मुझे लग रहा था कि मुझे एनजाइटी अटैक जाएगा। मुझे लगा आज मुझे कुछ हो जाएगा। संभावना सेठ की बात करें तो उन्हें भोजपुरी इंडस्ट्री की जान कहा जाता है। क्योंकि फिल्मों में वह अपने आइटम नंबर से जान डाल देती है। उन्होंने ताजमहल बनवा द बलिया, बुता द धनी लम्प, उहेला दरदिया ओ रामा कमरिया के नीचे और स्टेपनी बड़ा जरूरी बा जैसे कई भोजपुरी आइटम सॉन्ग में तुमके लगाए हैं। इसके अलावा संभावना बॉलीवुड में भी कई सॉन्ग में डांस करती नजर आ चुकी हैं। एक्ट्रेस ने अपने करियर की शुरूआत फिल्म पागलपन से की थी। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में काम किया। बड़े पर्दे के साथ ही वह बिग बॉस और कई टीवी रिएलिटी शोज में भी नजर आई। मल्टी टैलेंटेड संभावना डांसर, टीवी एक्ट्रेस, भोजपुरी एंड बॉलीवुड एक्ट्रेस, होस्ट और यूट्यूब ब्लॉगर भी हैं।

प्रियंका चोपड़ा के चाचा के साथ चाकू की नोंक पर लूट, बेटी मीरा चोपड़ा ने दिल्ली पुलिस को फटकारा !

इंटरनेशनल स्टार और बॉलीवुड की देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा के चाचा और एक्ट्रेस मीरा कपूर के पापा के साथ मंगलवार को चाकू के दम पर लूटपाट हुई। जिसकी जानकारी खुद मीरा ने अपने ट्विटर अकाउंट के जरिए दी। साथ ही दिल्ली पुलिस और सीएम केजरीवाल पर लोगों की सुरक्षा को लेकर नाराजगी भी जताई। मीरा चोपड़ा ने लिखा- मेरे पापा पुलिस कॉलोनी में ही वॉक कर रहे थे। दो लड़के स्कूटर पर आए और चाकू दिखाकर उनका फोन उनसे छीन ले गए। मीरा ने अपने ट्वीट में दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल और सीपी दिल्ली को भी टैग कर लिखा है कि दिल्ली सुरक्षित होने का आपका यहीं दावा है? बाद में डीसीपी उत्तरी दिल्ली के ट्विटर हैंडल ने मीरा से घटना की डिटेल शेयर करने को कहा। जिसके जवाब में मीरा ने फिर एक ट्वीट में एफआईआर नंबर साझा किया। हालांकि मामले का पता चलते ही पुलिस के एक्शन को देख मीरा ने एक अन्य ट्वीट में पुलिस की तुरंत कार्रवाई के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। मीरा ने ट्वीट में लिखा-तुरंत कार्रवाई के लिए डीसीपी उत्तरी दिल्ली को धन्यवाद। हमें गर्व महसूस होता है जब हम अपने पुलिस विभाग की वजह से सुरक्षित महसूस करते हैं। हालांकि क्या छीना गया इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है, लेकिन हमारे बुजुर्गों की रक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। आपको बता दें कि मीरा ने 2014 में फिल्म गैंग्स ऑफ भूत से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया, इसके बाद मीरा को 1920 लंदन और आखिरी बार सेक्शन 375 में देखा गया।

एकता कपूर को पसंद आया करण जौहर का सफेद बालों वाला लुक, ऑफर किया मिस्टर बजाज का रोल

बॉलीवुड के फेमस फिल्ममेकर करण जौहर अपने अजब-गजब फैशन और स्टाइलिश लुक की वजह से अक्सर सुर्खियां बटोरते हैं। हांलाकि पिछले कुछ दिनों से वो फैशन की वजह से नहीं बल्कि अपने सफेद बालों की वजह से चर्चा में छाए हुए हैं। हमेशा टिप-टॉप रहने वाले करण जौहर लॉकडाउन में क्या फंसे, उन्हें सलून जाकर अपने बालों को कलर करवाने का मौका ही नही मिला। यही वजह है कि अब करण के सफेद बाल साफ नजर आने लगे हैं। जिन्हें करण भी जमकर फ्लॉन्ट कर रहे हैं। हाल ही में करण ने अपने सफेद बालो को दिखाते हुए इंस्टाग्राम पर एक सेल्फी पोस्ट की है। इसके साथ ही करण ने अपने लिए पिता के रोल की भी डिमांड कर दी थी। पोस्ट में करण ने लिखा मैं जानता हूं कि मेरी एक्टिंग हाल ही में फैले वायरस (कोरोना वायरस) से भी ज्यादा डरावनी है, लेकिन सेकेंड वांस की उम्मीद करने में कोई नुकसान नहीं है। इसके साथ ही करण ने ये भी कहा कि वो फिल्मों में पिता का रोल निभाने के लिए तैयार हैं। करण के इस पोस्ट पर कई सेलेब्स के मजेदार कमेंट आए। अनिल कपूर ने तो ये तक लिख दिया कि मेरे पेट पर क्यों लात मार रहे हो सर। लेकिन करण की इस सेल्फी और रिक्वेस्ट पर सबसे दिलचस्प कमेंट आया। वो है टीवी की क्वीन कही जाने वाली फिल्ममेकर एकता कपूर का। एकता कपूर करण के इस ग्रे लुक से इतनी इम्प्रेस हो गई कि उन्होंने उन्हें अपने सीरियल कसौटी जिंदगी की 2में मिस्टर बजाज का रोल ही ऑफर कर डाला। एकता ने करण के पोस्ट पर कमेंट में लिखा कि मेरे पास एक डेली सोप (सीरियल) है। ऋषभ बजाज के सफेद बाल हैं और वो बेहद हॉट हैं। हम हमेशा चेहरे बदले रहते हैं। प्लीज तुम टीवी में आ जाओ। यहां खुश करना ज्यादा आसान है। एकता के इस कमेंट पर करण जौहर का भी रिप्लाई आया। करण ने लिखा मैं आ रहा हूं। लॉकडाउन के बाद में ऑडिशन के लिए आऊंगा। मेरे मम्मी बेहद खुश होंगी। करण और एकता की इस चैट का उनके फैंस ने भी खूब आनंद लिया। आपको बता दें एकता कपूर और करण जौहर काफी अच्छे दोस्त हैं। फिलहाल, एकता के शो कसौटी जिंदगी की 2 में मिस्टर ऋषभ बजाज का रोल टीवी एक्टर करण सिंह ग्रोवर कर रहे हैं। करण सिंह ग्रोवर ने भी मिस्टर ऋषभ बजाज का रोल निभाकर काफी सुर्खियां बटोरी थी। करण जौहर के सफेद बालों वाले लुक की बात करें तो अपने ग्रे हेयर लुक करण ने सबसे पहले वरूण धवन के बर्थडे के मौके पर दिखाया था। तब वो वरूण के साथ वर्दुएल चैट करते वक्त सफेद बालों में दिखे थे। जिसके बाद करण ने अपने व्हाइट हेयर्स के साथ एक सेल्फी भी पोस्ट की थी। इतना ही नहीं करण की बेटी रूही तो उन्हें एक वीडियो में बूढ़ा तक कह चुकी हैं। तब करण ने बताया था कि लॉकडाउन की वजह से सलून बंद हैं। इसलिए वो अपने बालों को कलर नहीं करवा पा रहे हैं, लेकिन अब करण को अपने सफेद बालों की वजह से घबराने की जरुरत नहीं है। क्योंकि उनका बूढ़ापे वाला लुक हिट हो गया है उन्हें बुरा एक्टर होने के बावजूद काम के ऑफर्स मिलने लगे हैं।

लॉकडाउन के चलते गांव में फंसी है रतन राजपूत, चूल्हे पर खाना बनाकर कर रही हैं गुजारा

टीवी की जानी मानी एक्ट्रेस रतन राजपूत इन दिनों चर्चा में हैं। दरअसल, कोरोना वायरस के चलते इन दिनों पूरे देश में लॉकडाउन घोषित किया हुआ है। ऐसे में कुछ ऐसे सेलेब्स हैं जो अपने घर नहीं बल्कि कई बाहर फंसे हुए हैं वापस अपने घर नहीं लौट पा रहे। ऐसा ही कुछ टीवी एक्ट्रेस रतन राजपूत के साथ हुआ। रतन राजपूत पिछले एक महीने से बिहार के गांव में लॉकडाउन के चलते फंसी हुई हैं। गांव में एक्ट्रेस अपना गुजारा कैसे कर रही हैं इसकी जानकारी आए दिन सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। ऐसे में एक बार फिर एक्ट्रेस ने एक वीडियो शेयर का है जिसमे वो चूल्हे पर कढ़ी चावल बनाती नजर आ रही हैं। रतन के गांव में सुविधाएं कम हैं। गांव में रतन के पास गैस सिलेंडर नहीं हैं जिसके चलते उन्हें मिट्टी के चूल्हे पर ही खाना बनाना पड़ रहा है। रतन लगातार कई वीडियो पोस्ट कर चुकी हैं, जिसमें कभी मिट्टी के चूल्हे पर खाना बनाती दिख रही हैं तो कभी जंगलों से लकड़ियां बीनती नजर आई। अलग-अलग वीडियो पोस्ट कर उन्होंने अपने फैन्स को बताया है कि वह इस वक्त गांव में किस हालात में रह रही हैं। एक्ट्रेस के वर्कफ्रंट की बात करें तो रतन राजपूत ने राधा की बेटियां कुछ कर दिखाएंगी, दिल से दिया वचन, बिग बॉस-7, महाभारत सहित कई सीरियल में काम किया है। हालांकि उन्हें पहचान साल 2009 में आए सीरियल अगले जनम मोहे बिटिया ही कीजो से मिली। इस सीरियल में रतन राजपूत ने लाली का रोल निभाया था। साल 2010 में रतन राजपूत ने अपने टीवी शो रतन का रिश्ता से खूब सुर्खियां बटोरीं। उन्होंने रतन का रिश्ता में अपना रियल स्वयंवर रखा था। इस शो की वजह से रतन काफी कॉन्ट्रोवर्सी में भी रहीं। इसमें देश-विदेश से आए कई हैंडसम हंक ने हिस्सा लिया और रतन का दिल जीतने की कोशिश की थी। रतन राजपूत ने भी 10 साल पहले अपने हमसफर के लिए अभिनव शर्मा को चुना था। रतन राजपूत और अभिनव शर्मा से नेशनल टेलीविजन पर सगाई की थी। दोनों ने शो में शादी तो नहीं की लेकिन रतन राजपूत ने ये कहा था कि पहले वो अपने पार्टनर को समझना चाहती हैं। इसलिए उन्होंने सगाई के बाद शादी की बजाय डेटिंग का फैसला लिया। हालांकि ये डेटिंग ज्यादा टाइम तक नहीं चल सकी। कुछ महीनों बाद ही रतन राजपूत और अभिनव शर्मा अलग हो गए। रतन की सगाई को टूटे 10 साल का वक्त बीच चुका है। अब तक वो सिंगल हैं और उन्होंने शादी नहीं की है।

कोरोना वायरस के चलते कर्मचारियों को सीएमओ ने पुन : बांटे मास्क व सेनेटाइजर

दबोह(अर्पित गुप्ता)

नोबेल कोरोना वायरस के चलते मुख्य नगर पालिका अधिकारी एन आर खेंगर ने कोरोना वायरस के चलते उससे बचाव के लिए सफाई कर्मचारियो को पुनः मास्क व सेनेटाइजर वितरण किये।सेनेटाइजर वितरण करने के दौरान उन्होंने कर्मचारियों को उसे उपयोग करने का तरीका भी बताया और बार बार सेनेटाइजर व हैंडबॉस इस्तेमाल करने की अपील भी की।यहां बता दें कि नगर परिषद दबोह पूर्व में भी दो-तीन बार नगर परिषद में पदस्थ कर्मचारियो व सफाई कर्मियों को मास्क व साबुन वितरण कर चुकी है परन्तु कोरोना वायरस की महामारी दिन व दिन बढ़ती जा रही है जिसके चलते मुख्य नगर पालिका अधिकारी एन आर खेंगर ने लॉकडाउन की दिनांक बढ़ने के बाद कर्मचारियों को मास्क व सेनेटाइजर वितरण किया।इस दौरान उन्होंने दबोह के समस्त नागरिकों से कोरोना वायरस के चलते अपील की है कि खुद सुरक्षित रहे और दूसरों को रखें।उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए बार-बार अपने हाथों को हैंड वाश,साबुन और पानी से अच्छी तरह साफ करें।छींकते और खांसते समय अपने मुह व नाक को टिशु या रुमाल से ढंके।बुखार,खांसी,जुखाम होने पर तुरन्त डॉक्टर से संपर्क करें।डॉक्टर से मिलने के दौरान मुंह को मास्क,रुमाल आदि से ढंके।जिनमें खांसी,जुखाम,बुखार के लक्षण हो ऐसे व्यक्तियों से कम से कम 1-2 मीटर की दूरी बनाकर रखें एवं बचे।घर से हो सके तो कम बाहर निकले एवं बच्चों को भी बिल्कुल बाहर ना निकलने दे।

ठेका खुलते ही झूमते दिखे शराबी पीकर मचाया उत्पात...

शराब के नशे में धुत्त होकर जगह जगह गिरने लगे शराबी

पत्रकार राधा तोमर / सुनील तोमर अम्बाह

अम्बाह(मुरैना)। शराब की दुकानें खुल जाने के बाद शराबियों का टुन्न होकर यहां वहां गिरने की घटनाओं में बृद्धि होने लगी है। लॉक डाउन 3 में सरकार ने शराबियों की बढ़ती बेचैनी को समझते हुए शराब की दुकाने खोले जाने की छूट दे दी है जिससे लम्बे समय से इंतजार में बैठे शराबी शारीरिक दूरी की चिंता किये बगैर दुकानों पर पहुच गये और जमकर पी मंगलवार की शाम एक व्यक्ति ने इतनी पी ली कि वह चलने के लायक भी नही रहा दाऊ की कोठी के पास टुन्न होकर सड़क किनारे पड़े व्यक्ति की सूचना जब घरबालो को मिली तब तक राहगीरो ने उसे उसके घर पहुचाया इसके एक दिन पूर्व ग्राम रिठौना में एक व्यक्ति शराब पीकर गांव के पानी से भरे खन्दक में कूद गया जिसे गॉव बालो के सहयोग से पानी से निकला जा सका।

देश किसानों के समर्पण को कभी ना भूलें...

- सुनील पटेल, नेजपुर

वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के चलते हमें यह तो पता चल ही गया कि हम पिज़्ज़ा, बर्गर के बिना जीवित रह सकते हैं मगर किसानों द्वारा उगायें गए अन्न के बिना नहीं। एक और कोरोना वॉरियर्स जहां अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं वहीं दूसरी ओर किसान भी अपनी जिम्मेदारी के साथ पूरी तरह अपनी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हटे। भारत संरचनात्मक दृष्टि से गांवों का देश है जहां

प्रमुख रूप से कृषि कार्य किया जाता है। इसलिए भारत को कृषि प्रधान देश की संबा प्राप्त है। देश के लगभग 70 प्रतिशत जनसंख्या कृषि एवं संबंधित कार्यों से अपना जीविकोपार्जन करती है। देश एवं प्रदेश की आर्थिक उन्नती में किसानों का महत्वपूर्ण योगदान है। हमारे किसान देश एवं प्रदेश की रीढ़ की हड्डी हैं। यह हमारे किसानों की मेहनत एवं समर्पण का ही परिणाम है कि आज हमारा देश विभिन्न कृषि उत्पादों में न केवल अत्मनिर्भर एवं आत्मसंपन्न है बल्कि निर्यातक भी है। जहां देशवासी कोरोना से खुद को बचाने के बारे में सोच रहे हैं, वहीं किसान अपनी फसल और देशवासियों के आने वाले दिनों में खाने के बारे में सोच रहे हैं। इसलिए हमें भी किसानों के बारे में सोचना चाहिए। कोरोना का कोई इलाज नहीं है। कहा जा रहा है कि हर व्यक्ति को एक दूसरे से कम से कम एक मीटर की दूरी बनाए रखनी चाहिए, बार-बार अपने हाथों को धोते रहना चाहिए और अपने घर में ही रहना चाहिए, तभी हम वायरस को फैलने से रोक सकते हैं।देश के 85 फीसदी किसानों के पास तीन एकड़ से भी कम जमीन है और उनकी फसल का पूरा पैसा ब्याज समेत कर्ज लौटाने में ही खत्म हो जाता है। अनाज पैदा करने के बावजूद ये किसान मजदूरी करके अपने घर का राशन दुकान से खरीदते हैं। अब जब देश भर में लॉकडाउन है, तो अन्य देशवासियों के साथ छोटे और मंझोले किसानों और मजदूरों को भी राशन देना अनिवार्य होना चाहिए। मौजूदा वक्त में बहुत जरूरत पड़ने पर ही बाहर निकलना चाहिए और सामाजिक दूरी बनाकर रखनी चाहिए। सरकार से मदद मिलने में देरी हो, तो नागरिक समाज को जरूरतमंदों के प्रति अपना फर्ज याद रखना चाहिए। किसान भी कोरोना वॉरियर्स है और वे इस समय बस यही सोच रहे हैं भारत का हर नागरिक भूखा नहीं सो सके।

कोरोना योद्धाओं (पुलिस कर्मचारियों) का सम्मान किया गया

आनंद नगर सुधार समिति द्वारा कोरोना योद्धाओं (पुलिस कर्मचारियों) का सम्मान समारोह आज दिनांक 7 मई 2020 को बहोड़ापुर चौराहे पर किया गया। कार्यक्रम में समाज सेवी तथा समिति के परामर्श दाता अवध सिंह धाकरे जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर बहोड़ापुर थाना प्रभारी दिनेश राजपूत तथा समिति संरक्षक कैलाश सिंह तोमर जी विशेष रूप से उपस्थित थे। समिति द्वारा बहोड़ापुर थाने के 36 पुलिस कर्मचारियों का सम्मान किया गया। समिति कार्यकर्ताओं ने पुलिस कर्मचारियों पर उनके सम्मान में पुष्प वर्षा की तथा दो मिनट तक तालियां बजाकर उनका उत्साह वर्धन किया। तत्पश्चात समिति ने उपस्थित सभी पुलिस कर्मचारियों को गमछा और मास्क सम्मान स्वरूप भैंट किये। कार्यक्रम के प्रारंभ में समिति के अध्यक्ष राकेश अग्रवाल एडवोकेट ने पुलिस कर्मचारियों द्वारा कोरोना योद्धाओं के रूप में समर्पित भाव से सेवा करते रहने के लिए उनका शब्दों से स्वागत एवं सराहना की। अंत में आभार व्यक्त सचिव आनंद सिंह तोमर ने किया।

मुरैना में दो नर्स सहित पांच कोरोना पॉजीटिव और मिले

मुरैना। बुधवार को आई जांच रिपोर्ट में मुरैना में पांच कोरोना पॉजीटिव और मिले हैं। इसमें दो नर्स के संक्रमित होने से कोरोना वार्ड में ड्यूटी कर रहे चिकित्सक सहित नर्सिंग स्टाफ काफी भयभीत है। चार पॉजीटिव पहले से जिला अस्पताल में उपचाररत हैं इनको मिलाकर कोरोना पॉजीटिवों की संख्या अब नौ हो गई है। कोरोना पॉजीटिव में जिला अस्पताल की नर्स वंदना पटेल, रेनू अतर सिंह, विजय श्रीवास निवासी रविदास नगर, हरिओम पुत्र मातादीन, प्रवेन्द्र पुत्र हरिओम शामिल हैं। अभी तक सिविलियंस कोरोना पॉजीटिव आए तो चिकित्सक मनोयोग से इलाज में जुटे थे लेकिन अब नर्सिंग स्टाफ के पॉजीटिव आने से जिला अस्पताल में हडक़ंप मच गया है। पॉजीटिव आए विजय श्रीवास के साथ दो लोग और आए थे, वह अंबाह के रहने वाले थे। विजय सीधा अस्पताल पहुंच गया था, वह दोनों अपने घर चले गए। अब प्रशासन उन दोनों की तलाश में जुट गया है। वहीं हरिओम व

नर्सिंग स्टाफ के संक्रमित होने से चिकित्सक व अन्य स्टाफ भयभीत

उसका लडक़ा प्रवेन्द्र चार दिन पहले चेन्नई से भागकर आए थे। वहां भी ये दोनों पॉजीटिव थे। वहां से सूचना मिली तो पुलिस ने सख्ती दिखाई और ट्रक से इन दोनों को पकड़ लिया। सोमवार को इनके सेंपल लिए गए थे। जिनकी जांच रिपोर्ट बुधवार को आई है। जिला अस्पताल में चर्चा है कि नर्सिंग स्टाफ को कोरोना से लडऩे के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं इसलिए ये दो नर्स कोरोना की शिकार हुई हैं। पुलिस व प्रशासन छिपा रहा है जानकारी चेन्नई से भागे मुरैना के दो लोग पॉजीटिव थे। यहां पुलिस ने पकड़े और जिला अस्पताल में उनको ले जाया गया। इसकी जानकारी न तो पुलिस और न प्रशासन के अधिकारियों ने दी। जब उनका मुरैना में दोबारा टेस्ट कराया और उनकी रिपोर्ट पॉजीटिव आई तब प्रशासन चींख चींख कर कहा है कि वह तो चेन्नई से भाग कर आए थे। कथन - बुलेटिन जारी होने के बाद जानकारी मिली है। यह बात सही है कि मुरैना में पांच कोरोना पॉजीटिव और मिले हैं। जिनमें दो नर्स, दो चेन्नई से भागकर आए वह और एक अन्य व्यक्ति शामिल हैं।

दबंगों ने किया आम के पेड़ मालिक पर जानलेवा हमला

मुरैना। मुरैना के थाना सिहोनिया के अंतर्गत ग्राम खड़ियाहार में आम के पेड़ मालिक राहुल डण्डोतिया पुत्र रामरुप डण्डोतिया पर अपने आम के पेड़ पर सुबह आम लेने गए तभी वहां पर रामराज तोमर विद्या तोमर एवं अन्य लोगों ने मिलकर आम जबरदस्ती तोड़ने लगे तभी वहाँ खड़े राहुल डण्डोतिया ने समझाया तो गालियां एवं अपसब्द बोलने लगे तभी वहाँ खड़े राहुल को रामराज तोमर एवं विद्या तोमर ग्राम उमरिहाई ने मारपीट कर कट्टे से फायर किया और लात घूसे मारे जब तक पुलिस पहुंची तब तक मुलजिम भाग गए सिहोनिया पुलिस ने हमला बरो पर भा दं सं के अंतर्गत धारा 323 294 336 506 34 के तहत मुकदमा कायम कर जाँच सुरु कर दी है।

व्यापारी को लूटने वाला दरोगा लाईन भेजा

भिण्ड- व्यापारी को भिण्ड मुरैना की की सीमा पर लूटने वाला दरोगा लाईन भेजा । रोजनामचा में रिपोर्ट डालने के बाद लाइन भेजा। 41 हजार की नगदी सहित दो मोबाइल फोन लूटने का व्यापारी ने लगाया था आरोप। लूट के मामले को अधिकारी दबाने में जुटे। पुलिस ने पीड़ित को 151 में बंद करके बनाया था दबाव। गोरमी थाने में पदस्थ दरोगा जितेंद्र सिंह जादौन लाइन अटैच। व्यापारियों ने पुलिस की फर्जी कार्यवाई के चलते विधायक व आईजी से की थी शिकायत। विधायक ओपीएस भदौरिया व व्यापारियों की शिकायत के बाद भेजा लाइन।

मुरैना अम्बाह शहर में लाक डाउन को लेकर उदासीन हुआ प्रशासन...

सुनील तोमर अम्बाह

मुरैना।. जिस सख्ती के साथ जिला प्रशासन ने लाक डाउन लागू किया था वह सख्ती अब कहीं नजर नहीं आ रही है, जिससे कोरोना संक्रमितों का खतरा बढ़ गया है।जब तक प्रशासन सख्त रहा संक्रमितों की संख्या नियंत्रित रही है, कुछ मामले सामने आते रहे, लेकिन जैसे ही प्रशासन के रवैये में शिथिलता आई मामले भी बढ़ते हुए नजर आने लगे हैं।यदि प्रशासन की प्रारंभिक सख्ती पर गौर किया जाए तो मुरैना को प्रशासन ने कोरोना संक्रमितों से अछूता रखा, लेकिन एक वरैठा परिवार के दो सदस्य दुबई से आने के बाद भोज मे शामिल होने के द्वारा कोरोना संक्रमण मुरैना जिला होगया जिसमे पॉजिटिव संख्या 14 तक पहुच गई परन्तु पुलिस प्रशासन की शक्ति व योधा डॉक्टरो ने सभी को नोरमल कर डिसचार्ज कर घर सकुशल भेज दिया परन्तु शासन की डील से शराब के ठेके खोल दिये बाजार मे डिलाई कर दी दुकाने खुलना चालू होगई बेबजह लोगो की भीड बढने लगी सरकार के आदेश से प्रसासन का हल्का रबैया रहा अन्य प्रान्तो से आकर मुरैना मे कोरोना की सौगात फिर दे दी।इस घटना से पहले मुरैना जिला मुख्यालय पर एक भी कोरोना संक्रमित मरीज नहीं रहा था संख्या जीरो होगई थी अब संख्या अस्पताल की नर्सो सहित फिर बढने लगी है। मुरैना अधिकांशतः लोग वरैठा परिवार को इस महामारी की चपेट में लाने के लिए उसके परिवार को जिम्मेदार ठहराते हैं।प्रशासन में बैठे लोग कर्तव्य से अधिक प्रभावशाली लोगों के संबंधों को निभाने में सहयोग करते हैं, यही कारण है कि मुरैना संबंधों का शहर होकर रह गया है।शहर का, शहरवासियों का चाहे जितना नुकसान हो जाए, लेकिन शासन-प्रशासन संबंधों को निभाने पर ज्यादा ध्यान देता है, ताकि कोई प्रभाव शाली राजनीतिक व्यक्तित्व नाराज ना हो जाए।कहा जा सकता है संबंधों को निभाने के चक्कर में ही लाक डाउन को लेकर शिथिलता बरती जा रही है और अंततः यह शिथिलता मुरैना को भारी पड़ने वाली है, मुरैना वासियों को भारी पड़ने वाली है।नगर में लाक डाउन के मायने नजर नहीं आते, संक्रमितों की संख्या धीरे धीरे बढ़ने लगी है, लाक डाउन का पालन करानेवाले लोग औपचारिकता निभाते नजर आने लगे हैं।पुलिस विभाग ने भी नगर सुरक्षा समिति के हाथों नगरवासियों के जीवन को तथा नगर को सौंप कर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर ली है।नगर सुरक्षा समिति प्रशासन को सहयोग तो कर सकती है, लेकिन सख्ती नहीं दिखा सकती,क्योंकि उसकी एक सीमा है, नगर सुरक्षा समिति के सदस्यों के नगरीय स्तर पर संबंध है।लाक डाउन के प्रति प्रशासन की उदासीनता मुरैना वासियों के लिए अच्छे संकेत नहीं कहे जा सकते।क्योंकि कल ही शहर में एक ही दिन में 5कोरोना वायरस पाजेटिव मरीज की एंट्री हुई,लोगों को किसी प्रकार से मौत का खौफ नही है। शहर के मुख्य चौराहे से आसानी से कहीं भी बेरोकटोक आया जाया जा सकता,सोशल डिस्टेंस को धता बताते हुए लोग शहर में बेवजह भीड़ करते हुए अपनी मनमर्जी से आनाजाना कर रहे है,यह जिला प्रशासन के लिए चिंता का विषय है।

शराब में बहक गए, शारीरिक दूरी के प्रावधान

नशे की लत ने उड़ाई नियमो की धज्जियो, प्रशासन मोन

गोहद कोरोना महामारी के चलते देशव्यापी लोक डाउन का तीसरा चरण चल रहा है। लोगो की जरूरत को देखते हुए सरकार ने लोक डाउन में ढील है। लेकिन ढील के कारण इस महामारी की चेन को तोड़ने के सभी प्रयासों पर पानी फिरता नजर आ रहा है। लोक डाउन में दी गयी ढील पर जिस तरह सड़को, दुकानों पर लोगो का सैलाब उमड़ रहा है, उसने कई सवाल खड़े कर दिए है। खास्कर शराब की दुकानों पर उमड़ती भीड़ से प्रशासनिक विफलता साफ़ नजर आती है। करीब 43 दिन शराब की दुकानें बंद रखने के बाद सरकार ने शर्तो के साथ इन्हें खोलने की अनुमति दी आबकारी से मिलने वाले राजस्व को देखते हुए राज्य सरकार ने यह निर्णय लिया होगा। इस निर्णय से उपजी स्थिति को देखते हुए सरकार का यह निर्णय कहा तक उचित है हालांकि राज्य को राजस्व मिलना भी जरूरी है लेकिन इससे पहले कोरोना कोरोना की चेन तोड़ने की जरूरत है। यह सोचना होगा कि कही इस छूट से अब तक के लोक डाउन पर पानी न फिर जाए। अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाना जितना जरूरी है उतना जरूरी महामारी के प्रकोप को रोकना भी है। शराब की दुकानी पर सेकड़ो लोग जुट रहे है इस भीड़ को देखने से यह स्पस्ट हो गया है कि स्थानीय प्रशासन इस स्थिति को भांपने में विफल रहा।

छूट की वजह से मुश्किल न हो जाये स्थिति को संभालना- सरकार ने ग्रीन जॉन वाले जिलों में लोक डाउन में छूट दी है ओर जरूरी दुकानों को खोलने का निर्णय लिया है लेकिन नगर में अधिकतर सभी दुकाने खुल रही है। जिसमे शारीरिक दूरी की धज्जियां उड़ रही है। जबकि देश के प्रधानमंत्री द्वारा कई बार अपने उदबोधन में इस वायरस को हराने के लिए शारीरिक दूरी की बात कही है। कही ऐसा न हो कि प्रशासन व शासन की इस छूट की वजह से मुश्किल न हो जाये स्थिति को सम्भालना ओर ग्रीन जॉन में भी कही यह वायरस दस्तक दे दे फिर प्रशासन की अब तक कि सारी मेहनत बेकार हो जाएगी व प्रशासन को लोक डाउन में दी गयी ढील पर पछतावा हो।

समाजसेवियों ने विधुत कर्मियों का किया सम्मान

मोहन मांझी

गोहद कोरोना महामारी में पुलिस, स्वाथ्य विभाग, नगर पालिका व विधुत विभाग कर्मियों को कोरोना वॉरियर्स में लिया गया है वो भी इस महामारी में अपनी सेवाए दे रहे है। आज सती बाजार में विद्युत मंडल कर्मचारियों का स्वागत किया गया। इस महामारी ओर गर्मी मैं भी अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

कम्प्यूटरीकृत होने के बाद भी पुराने ढांचे पर उपभोक्ता दुकानें

सेवढा।। धड़ल्ले से हो रहा राशन चोरी प्रदेश में राशन की चोरी को रोकने के लिए सरकार ने खाद्यान को इलेक्ट्रॉनिक वेट मशीन द्वारा लोगों को राशन वितरण करने का तरीका अपनाया है, शासन को लगा था कि इस तरीके से राशन की चोरी में कमी आएगी । शासन की नजर में चोरी भले ही कम हो गई हो । लेकिन गरीब पहले भी परेशान था और अब भी हैं । कोविद 19 कोरोना वायरस के चलते सरकार के द्वारा राज्य के सभी राशन कार्ड लाभार्थियों को निःशुल्क और सही मात्रा में अनाज वितरण कराया जा रहा है । जिसमे दो माह का एक यूनिट पर 10 किलो अनाज दिया जा रहा है बताया गया कि वितरण प्रणाली पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत है एवं पूरी व्यवस्था को पारदर्शी बनाया गया है । लेकिन वर्तमान समय में नगर की प्राथमिक उपभोक्ता केंद्र पर धड़ल्ले से गरीबों का हक छीना जा रहा है। वुधवार को मीडिया की टीम ने नगर में संचालित होने बाली प्राथमिक उपभोक्ता केंद्रों का भृमण किया तो अनियमितताये मिलीं। मीडिया टीम भवानी विपरण सहकारी संस्था मर्यादित पर पहुंची तो वहां पर जमकर भीड़ इकट्ठा थी । वहीं सोसल डिस्टेंस का पालन नहीं हो

रहा था और सबसे बड़ी बात खुलेआम आंखों के सामने राशन की चोरी हो रही थी । खाद्यान को पहले तो बिना तौले ही तस्सल के हिसाब से दिया जा रहा था जब इस पर दुकान संचालक को बोला तो इलेक्ट्रॉनिक वेट मशीन से तोलने की जगह पुराने बांटों से तोलने लगे जिससे उपभोक्ताओं को उनके हिस्से का राशन की कटौती साफतौर पर हो रही थी । साथ ही मीडिया टीम प्राथमिक कृषि साख सहकारी मर्यादित पर पहुंची जहां पर भी खाद्यान की तुलाई में गड़बड़ी चल रही थी जैसे ही टीम मशीन के पास पहुंची तो तुरंत दुकान संचालक द्वारा मशीन को ऑफ करके ओन कर दिया गया । सेवढा नगर के वार्ड न.7 में मीडिया टीम पहुंची जहां पर दो दुकाने एक ही दुकान में संचालित पाई गई । जहां पर सोसल डिस्टेंस का कोई ख्याल नही रखा गया । एक ही दुकान में सभी लोग इकट्ठा होकर राशन लेते नजर आए। प्राथमिक उपभोक्ता केंद्रों पर हो रही धांधली की जानकारी अधिकारियों को भी है लेकिन हर माह मिलने वाली कमीशन खोरी के चलते जिम्मेदार अधिकारियों ने अपनी आंखें मूंद रखी हैं । जिस कारण से इन दुकान संचालकों के धंधा फलफूल रहा है ।

इनका कहना है कि

जानकारी नहीं है । दिखबाते हैं अगर अनियमितता होगी तो कार्यवाही करेगें ।

कल्पना कुशवाह तहसीलदार सेवढा

दो महीने बाद द.कोरिया में शुक्रवार से टूनार्मेंट शुरू होगा गोल के बाद खिलाड़ी गले मिलकर जश्न नहीं मना पाएंगे

- दो दिन पहले दक्षिण कोरिया में बेसबॉल लीग शुरू हुई, अब कोरोना के बाद फुटबॉल शुरू करने वाला पहला देश बना
- हर मैच के बाद जांच में किसी खिलाड़ी को बुखार निकलता है तो साथी खिलाड़ी, कोच और विपक्षी टीम को 2 हफ्ते का ब्रैक

नई दिल्ली ■ एजेंसी

कोरोनावायरस जैसी महामारी के बीच दो महीने के बाद दक्षिण कोरिया का फुटबॉल सीजन शुक्रवार से शुरू होने जा रहा है। हालांकि यह मैच बगैर दर्शकों के ही होंगे। साथ ही कोरोना संक्रमण से बचने के लिए नए दिशा- निर्देश जारी किए गए हैं। इसके तहत गोल करने के बाद खिलाड़ी जश्न नहीं मना पाएंगे, हाथ नहीं मिलाएंगे और मैच के बीच में आपस में बात भी नहीं करेंगे। गाइडलाइन को लेकर सवाल भी उठने लगे हैं। इंचियोन यूनाइटेड के कप्तान किम डो हाइक ने कहा कि मैच में दौरान आपस में बिना बातचीत के फुटबॉल खेलना संभव नहीं है। मैच के बाद सभी खिलाड़ियों और टीम के स्टाफ का बुखार जांचा जाएगा। यदि कोई खिलाड़ी या टीम स्टाफ में फीवर हुआ था, तो उसके साथी खिलाड़ी, कोच और स्टाफ के अलावा विपक्षी टीम को भी दो सप्ताह का ब्रेक दिया जाएगा। कोरोना के बाद फुटबॉल शुरू करने वाला दक्षिण कोरिया पहला

देश है। हालांकि बेलारूस, तुर्कमेनिस्तान और ताइवान जैसे देशों ने कोरोनावायरस के कारण फुटबॉल मुकाबले नहीं रोके थे। के-लीग एशिया का पहला बड़ा टूनार्मेंट होगा, जिसमें मुकाबले खेले जाएंगे। यूरोप की बड़ी लीग अभी बंद हैं और सिर्फ जर्मनी की बुंडेसलीगा ने मैच दोबारा शुरू करने की योजना बनाई है। बुंदेसलीगा के एक क्लब के स्टाफ में 3 लोग कोरोना पॉजिटिव मिले थे। के-लीग का पहला मुकाबला शुक्रवार को जियोनबक और सुवॉन ब्लूविंग्स के बीच खेला जाएगा। लीग के अधिकारियों के मुताबिक मैच का लाइव युट्यूब और फेसबुक पर दिखाया जाएगा। इसके अलावा 10 विदेशी ब्रॉडकास्टर भी प्रसारित करेंगे।

दक्षिण कोरिया में कोरोना का प्रकोप

दक्षिण कोरिया उन देशों में शामिल था, जिनमें चीन के बाहर शुरूआत में कोरोना वायरस का सबसे अधिक प्रकोप दिखा था जिसके बाद पेशेवर खेलों ने अपने सत्र रद्द कर दिए या स्थगित कर दिए थे और फिर बाद में दुनिया भर के देशों ने यही कदम उठाए थे। कोरिया ने हालांकि अपने मजबूत पहचान, परीक्षण और उपचार कार्यक्रम से इस महामारी को नियंत्रित कर लिया है और मंगलवार को खाली स्टेडियम में बेसबाल की वापसी के बाद अब फुटबाल की वापसी होगी।

हॉकी गोलकीपर दीवान की जल्द वापसी होगी

नई दिल्ली। पूर्व हॉकी गोलकीपर अशोक दीवान जल्द ही अमेरिका से स्वदेश लौटेंगे। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने कहा है कि अब उनकी तबियत पहले से बेहतर है और वह जल्दी ही अमेरिका से स्वदेश लौटेंगे। पिछले महीने दीवान ने अमेरिका से वापसी के लिए सहायता मांगी थी। दीवान कोरोना वायरस महामारी के बाद जारी लॉकडाउन के कारण अमेरिका में ही फंस गए थे। उन्होंने आईओए अध्यक्ष नरिंदर बत्रा से संपर्क करके सहायता की अपील भी की थी। जिसके बाद उनका मामला खेल मंत्रालय के पास पहुंचा था। दीवान ने बुधवार को बत्रा को भेजे संदेश में कहा,ह्यआपके और ईश्वर के आशीर्वाद से मेरी सेहत अब बेहतर है। मैंने स्वदेश लौटने के लिए भारतीय दूतावास में रजिस्ट्रेशन करा लिया है।

एंटी-डोपिंग मामलों की सुनवाई ऑनलाइन होगी, ऑडियो-वीडियो में अपनी बात रखेंगे

- साई बेंगलुरु और एनआईएस पटियाला में रुके खिलाड़ियों के सैंपल लेने के लिए नाडा खेल मंत्रालय से अनुमति मांगेगा
- नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी के डायरेक्टर ने कहा- डोपिंग के प्रति जागरूकता के लिए ऐप लॉन्च किया जाएगा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी (नाडा) के डायरेक्टर जनरल नवीन अग्रवाल ने कहा कि शुक्रवार से डोपिंग मामले की ऑनलाइन सुनवाई की जाएगी। उन्होंने न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में कहा कि कोरोना के कारण पिछले दो महीनों से डोपिंग मामले की सुनवाई नहीं हो रही है।

इस दौरान खिलाड़ियों को एंटी डोपिंग डिसिप्लिनरी पैनल और एंटी डोपिंग अपील पैनल के सामने अपनी बात भी रखनी होगी।

इसके लिए खिलाड़ियों को ऑडियो और वीडियो दोनों विकल्प दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पिछले साल दोनों कमेटियों ने बेहतर काम किया था और रिकॉर्ड180 मामलों का निपटारा किया था। उन्होंने माना कि लॉकडाउन के कारण खिलाड़ियों का सैंपल नहीं ले पा रहे हैं। उन्होंने

ऐप से खिलाड़ियों, कोच और पेरेंट्स को जागरुक करेंगे

अग्रवाल ने कहा कि नाडा जल्द ही डोपिंग के प्रति जागरूकता लाने के लिए ऐप लॉन्च करेगा। जिसके माध्यम से कोचों, खिलाड़ियों और उनके पेरेंट्स को जागरूक किया जा सके। उन्होंने कहा कि वाडा से अभी इंडिया की लैब को मान्यता नहीं मिली है। ऐसे में सैंपल को जांच के लिए विदेशों में भेजा जा रहा है। कार्गो फ्लाइट होने से वाडा से मान्यता प्राप्त विदेशी लैब में भेजने में कोई समस्या नहीं है। लेकिन यह इस बात पर निर्भर करता है कि सैंपल कहां से ली गई है और कुरियर सेवा कैसी है।

खेल मंत्रालय से निवेदन किया है कि उन्हें एनआईएस पटियाला और बेंगलुरु साई सेंटर में रुके हुए खिलाड़ियों के सैंपल लेने की अनुमति दे। उन्होंने कहा कि यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि सैंपल लेने के लिए जाने वाले अधिकारी कोरोना के लिए दी गई गाइडलाइन का पालन करें।

कोहली ने कहा था- यह साल सिर्फ टी-20 और टेस्ट का, नेहरा ने कहा

पंत को धोनी का रिप्लेसमेंट माना जा रहा था न्यूजीलैंड दौरे पर पानी पिलाता नजर आया

- इसी साल विराट कोहली की कप्तानी वाली टीम को न्यूजीलैंड ने अपने घर में 3-0 से वनडे सीरीज में क्लीन स्वीप किया था
- कोहली ने कहा था- यह साल सिर्फ टी-20 और टेस्ट का, अब नेहरा बोले- वनडे में हार के बाद ऐसा बयान देना गलत

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा ने विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से तुलना को लेकर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि पंत को धोनी के रिप्लेसमेंट के तौर पर देखा जा रहा है, लेकिन यह युवा खिलाड़ी न्यूजीलैंड दौरे पर खिलाड़ियों को पानी पिलाते हुए नजर आया था। ऐसे में दोनों की तुलना सही नहीं है। वहीं, नेहरा ने कप्तान विराट कोहली के वनडे फॉर्मेट को तवज्जो नहीं देने की भी आलोचना की है। नेहरा ने एक रेडियो कार्यक्रम में पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा से बातचीत के दौरान कहा, ह्याहटीम मैनेजमेंट को युवा खिलाड़ियों को समर्थन देना चाहिए। जिस तरह से न्यूजीलैंड में 5 टी-20, 3 वनडे और दो टेस्ट मैचों में ऋषभ पंत को एक भी मौका नहीं मिला यह बहुत खराब था। वह दूसरे खिलाड़ियों को पानी पिलाते दिखाई दिए। ऐसे में वह कैसे धोनी का रिप्लेसमेंट बन पाएंगे। पूर्व तेज गेंदबाज ने कोहली को लेकर कहा, मैं कोहली की इस बात से सहमत नहीं हूं कि यह साल टी-20 का है। जब वनडे में जीतने पर आपका ध्यान नहीं था, तो आप खेलने के लिए ही क्यों उतरें। जीतने के बाद आप इस तरह का बयान देते हैं तो समझ में आता है। हारने के बाद इस तरह का बयान देना गलत है। इससे टीम की कोशिशों पर सवाल उठता है।

ऑस्ट्रेलिया की तुलना में अभी काफी सुधार की जरूरत

नेहरा ने कहा, ह्यहालसाल 2000 के बाद इंडिया टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी में सुधार हुआ है। लेकिन, ऑस्ट्रेलिया की तुलना में हमें अभी काफी सुधार करने की जरूरत है। हम उनसे अभी काफी दूर हैं। ऑस्ट्रेलिया 3 वर्ल्ड कप जीत चुका है। 1996 में फाइनल पहुंच चुका है। आप से घर और उसके बाहर ज्यादा टेस्ट मैच जीता है।

कप्तान के तौर पर विराट को करना होगा और काम

पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज ने कहा, मैं कोहली की कप्तानी के बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहूंगा, क्योंकि मैंने उनकी कप्तानी में ज्यादा क्रिकेट नहीं खेली है। लेकिन मेरा मानना है कि विराट की कप्तानी में अभी भी सुधार का काम चालू है। कोहली को एक खिलाड़ी के तौर पर किसी पहचान की जरूरत नहीं है, क्योंकि उनका ग्राफ सब कुछ दिखा देता है। खिलाड़ी के तौर पर वे शानदार काम कर चुके हैं।

गलतियों से सबक सीखा है: सैमसन

युवा विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने कहा है कि उन्होंने पिछले दो साल के अंदर अपनी गलतियों से सबक सीखा है। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा, ह्यमैंने अपनी ताकत पर ध्यान देना और गलतियों से सबक लेना सीख लिया है। अब मैं टीम के लिए योगदान देने का प्रयास कर रहा हूं। इसके साथ ही बल्लेबाजी के दौरान अनभवी महेंद्र सिंह धोनी की तरह अपने उज्चात पर भी नियंत्रण का प्रयास कर रहा हूं। इससे अब मैंने शांत और संयमित रहकर बल्लेबाजी करना सीखा है। सैमसन बेहद प्रतिभाशाली होने के बाद भी अब तक भारतीय टीम की ओर से पिछले पांच साल में सिर्फ चार टी20 मैच ही खेल सके हैं। पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ और गौतम गंभीर जैसे बल्लेबाजों ने भी उनकी तारीफ की है। हाल ही में भारत की टी20 टीम में वापसी करने वाले सैमसन ने कहा, दोबारा भारतीय टीम का हिस्सा बनकर अच्छा लगा। दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक जिसमें विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ी हों उस टीम का हिस्सा होना शानदार अनुभव होता है। धोनी उनके आदर्श है पर रॉयल्स के अपने साथी जोस बटलर की बल्लेबाजी भी उन्हें खासी पसंद है।

इंग्लैंड को पहली बार वर्ल्ड कप जिताने वाले मोर्गन ने कहा ओलिंपिक में टी-10 फॉर्मेट को शामिल किया जाना चाहिए

लंदन ■ एजेंसी

इंग्लैंड टीम को पहली बार वनडे वर्ल्ड कप जिताने वाले कप्तान इयोन मोर्गन ने क्रिकेट को ओलिंपिक में शामिल करने की बात की है। उन्होंने कहा है कि क्रिकेट के टी-10 फॉर्मेट को ओलिंपिक में रखा जाना चाहिए। यह फॉर्मेट का काफी छोटा होता है और टूनार्मेंट 10 दिन में खत्म किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि ओलिंपिक के लिहाज से ठीक भी रहेगा। इससे पहले क्रिकेट को क्रिकेट को 1900 के ओलिंपिक और 1998 के राष्ट्रमंडल खेलों में शामिल किया गया था। हालांकि, यह कई खेलों वाले इवेंट का हिस्सा नहीं रह सका। 2022 में होने वाले बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में महिला टी-20 टूनार्मेंट को शामिल किया गया है। मौजूदा समय में टी-20 फॉर्मेट काफी पसंद किया जा रहा है। आईसीसी और अन्य संस्थाएं टी-10 को भी आजमा रही हैं। हाल ही में अबुधाबी में हुए टी-20 टूनार्मेंट में दिल्ली बुल्स टीम की कप्तानी भी मोर्गन ने ही की थी। मोर्गन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में कहा, ओलिंपिक के लिहाज से टी-20, वनडे या टेस्ट के मुकाबले टी-10 सबसे बेहतर और छोटा फॉर्मेट रहेगा। 8 या 10 दिन में खत्म होने वाला यह फॉर्मेट दर्शकों के लिए भी आकर्षित रहेगा।

क्रिकेट फिर शुरू होने पर बल्लेबाजों को आयेंगी कई परेशानियां: रोहित शर्मा

भारतीय क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने कहा है कि लॉकडाउन खुलने के बाद जब क्रिकेट फिर शुरू होगा तो बल्लेबाजों को अपनी लय हासिल करने में समय लगेगा। रोहित ने सोशल मीडिया पर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के साथ बातचीत में कहा कि जब खेल की दोबारा शुरूआत होगी तो बल्लेबाजों को कई प्रकार की परेशानियां सामने आयेंगी। रोहित ने कहा, 'बल्लेबाजों को गेंद बल्ले के बीच से खेलने में एक से डेढ़ महीने का समय लग जाएगा क्योंकि हाथों और आंखों के बीच

तालमेल बनने में समय लगता है और यह सबसे जरुरी है। इस बल्लेबाज ने कहा कि तालमेल बैठाने में काफी समय लगेगा क्योंकि आप ऐसे गेंदबाजों का सामना कर रहे होंगे जो 140 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से गेंदबाजी कर रहे होंगे।' ऐसे में बल्लेबाजों को अपने को ढालने के लिए ज्यादा समय की जरूरत होगी।

साथ ही कहा, 'किसी भी तरह के मैच से पहले हमें कम से कम एक महीने तक कड़ा अभ्यास करना होगा जिससे हम अपनी लय हासिल कर सकें। हमें बल्लेबाजी बंद किये तीन माह होने को आ गये हैं और अभी कितने दिन तक लॉकडाउन रहेगा यह भी कहा नहीं जा सकता है।

वॉर्न के भारी गेंद उपयोग करने की सलाह कारगर नहीं: चेतन

मुंबई ■ एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्पिनर शेन वॉर्न ने कहा है कि कोरोना महामारी के बाद जब खेल फिर शुरू होगें तो गेंद चमकाए बिना ही स्विंग कराने के लिए भारी गेंद इस्तेमाल की जानी चाहिये। वार्न के अनुसार यह टेप लगी टेनिस गेंद की तरह हो जिसमें गेंद का एक हिस्सा दूसरे से भारी होना चाहिये।

उनका मानना है कि तेज गेंदबाजों को सपाट विकेट पर भी इस तरह की गेंद से सहायता मिलेगी और साथ ही बॉल टैंपरिंग (गेंद से छेड़छाड़) की समस्या भी समाप्त हो जाएगी। इसके अलावा गेंद और बल्ले के बीच एक अच्छी प्रतियोगिता भी होगी। वार्न की इस सलाह को पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज चेतन शर्मा ने खारिज कर दिया है। चेतन ने कहा कि यह भारी गेंद का तरीका कारगर साबित नहीं होगा। चेतन का मानना है कि खेल से ज्यादा छेड़छाड़ करने की जरूरत नहीं हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह दौर जिसमें सभी खेल गतिविधियां रुकी हुई हैं, कुछ समय बाद गुजर जाएगा। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा, 'मुझे लगता है कि हम मामले को ज्यादा ही गंभीर बना रहे हैं। क्रिकेट को जैसा है वैसा ही रहने दें। इसे मजाक या सर्कस न बनाएं। मेरे विचार से जब यह महामारी खत्म होगी क्रिकेट फिर वहीं से शुरू होगा। अगर किसी मैच में खेल रहे सभी क्रिकेटर ठीक हैं तो फिर किसी प्रकार की समस्या नहीं हो सकती। इसलिए खेल में ज्यादा बदलाव पर सोचना ठीक नहीं है।

इटली में कोरोना का खतरा कम होने के बाद एक अभ्यास सत्र में भाग लेते हुए बोलोगोना फुटबॉल क्लब के खिलाड़ी

जोकोविच को अभ्यास की अनुमति देने वाले टेनिसक्लब ने माफी मांगी

मैड्रिड ■ एजेंसी

स्पेन में लॉकडाउन के बीच ही सर्बियाई टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को अभ्यास की अनुमति देने वाले पुएंते रोमानो मारबेला टेनिस क्लब ने माफी मांगी है। क्लब ने कहा कि उसने गलती से विश्व के नंबर एक खिलाड़ी को अभ्यास की अनुमति दे दी थी। इससे पहले जोकोविच ने अपना अभ्यास का वीडियो सोशल मीडिया में डाला था। जिसके बाद से ही कई सवाल उठने लगे थे क्योंकि कोरोना वायरस महामारी को देखते हुए देश में लॉकडाउन है और ऐसे में क्लब में अभ्यास करने की अनुमति नहीं है। जोकोविच ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो डाला था जिसमें वह मारबेला शहर में एक टेनिस क्लब में किसी दूसरे व्यक्ति के साथ खेल रहे हैं। जोकोविच आजकल इसी शहर में रह रहे हैं। स्पेन ने लॉकडाउन में कुछ ढील दी है पर इस दौरान सामाजिक दूरी रखना जरुरी बनाया गया है। कोरोना वायरस महामारी के फैलने के बाद से ही यहां लॉकडाउन जारी है। अब पेशेवर खिलाड़ियों को अभ्यास पर लौटने की व्यक्तिगत रुप से अनुमति मिली है पर खेल क्लब और स्टेडियम अगले सप्ताह तक बंद रखने के निर्देश बरकरार हैं। क्लब ने अपने बयान में कहा, नियम को ठीक से समझ नहीं पाने के कारण हमसे यह गलती हुई है जिसके लिए हम माफी मांगते है। हमें लगा था कि चार मई से सभी पेशेवर खिलाड़ी अभ्यास कर सकते हैं और इसी कारण से हमने अनुमति दे दी थी।

लॉकडाउन ● शंघाई और हांगकांग में जनवरी, टोक्यो में फरवरी, अमेरिका और फ्रांस में मार्च से पार्क बंद हैं

डिज्नी को 3 महीने में 10 हजार करोड़ का नुकसान 11 मई से शंघाई पार्क खोलने की योजना बना रही

शंघाई ■ एजेंसी

वॉल्ट डिज्नी कंपनी को साल के पहले तीन महीने में 1.4 बिलियन डॉलर (करीब 10,611 करोड़ रुपए) का नुकसान उठाना पड़ा। दरअसल, कोरोनावायरस के चलते कंपनी ने अपने सभी पार्क बंद कर दिए हैं। मूवी रिलीजिंग कैंसल कर दी हैं। साथ ही, विज्ञापन की सेल भी कम कर दी है। कुल मिलाकर कंपनी के कारोबार का हर हिस्सा वायरस से प्रभावित हुआ है और तिमाही का प्रॉफिट पूरी तरह खत्म हो गया। डिज्नी चेयरमैन बॉब इगर ने कहा कि हमारी कंपनी अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना कर रही है, लेकिन हमें रिकवरी की पूरी उम्मीद है। हम 11 मई से अपना शंघाई स्थित डिज्नीलैंड पार्क खोलने की योजना बना रहे हैं। दूसरी तरफ, कंपनी के चीफ एग्जीक्यूटिव बॉब चापेक ने कहा कि कंपनी को चरणबद्ध दृष्टिकोण अपनाना होगा, जिसमें लोगों की उपस्थिति को सीमित करने के लिए एडवांस रिजर्वेशन की जरूरत पड़ेगी। उन्होंने कहा कि हमें मास्क और टेम्परेचर की जांच करने वाले स्वास्थ्य उपायों की भी आवश्यकता होगी। बॉब चापेक ने बताया कि चीन के कई हिस्सों में अब स्थिति सामन्य है, जिससे वहां पर हम वापसी के संकेत देख रहे हैं। हालांकि, अभी इस बात का अनुमान लगाना जल्दबाजी होगी कि हम अपने सभी बिजनेस को फिर से कब शुरू कर पाएंगे। हमें अपने पार्क फिर से खोलने के लिए सतर्क और समझदारी के साथ बेहतर दृष्टिकोण की जरूरत है।

पेड सब्सक्रिप्शन और थिएटर अटेंडेंस में गिरावट

हाल के कुछ सालों में डिज्नी को पार्क और क्रूज डिवीजन से काफी प्रॉफिट मिला है, क्योंकि कंपनी के मीडिया बिजनेस ने ऑनलाइन कॉम्पटिशन को देखते हुए सही दिशा में प्रयास किया। हालांकि पेड-टीवी सब्सक्रिप्शन और मूवी थिएटर अटेंडेंस में गिरावट आई है। लेकिन पार्क बिजनेस बंद होने से कंपनी की ऑपरेटिंग इनकम पर 1 बिलियन से 1.4 बिलियन (करीब 10,611 करोड़ रुपए) का घाटा हुआ है। बता दें कि कंपनी ने अपने पार्कों को जनवरी में शंघाई और हांगकांग में, फरवरी में टोक्यो में और मार्च में अमेरिका और फ्रांस में बंद कर दिया था। साथ ही, क्रूज लाइन ने परिचालन को भी निलंबित कर दिया। चापेक ने कहा कि उन्होंने सोचा था कि फर्म को लिमिटेड तरीके से री-ओपन करने पर काम की पर्याप्त डिमांड होगी, लेकिन शंघाई के बाहर अधिकारियों ने वेतावनी दी कि फिर से खोलने का समय स्पष्ट नहीं है।

जियो प्लैटफॉर्म्स शक्ति इजाफे के लिए फिर बेच सकती है 8 फीसदी हिस्सेदारी

कोलकाता ■ एजेंसी

देश सबसे बड़े औद्योगिक समूह रिलायंस के जियो की अभिभावक कंपनी जियो प्लैटफॉर्म्स स्ट्रैटिजिक फाइनैंशल इन्वेस्टर्स को 8 फीसदी की हिस्सेदारी और बेच सकती है। कंपनी ने हाल में अमेरिकी प्राइवेट इक्विटी फर्म सिल्वर लेक और सोशल मीडिया दिग्गज फेसबुक से इन्वेस्टमेंट हासिल किया था।

ऐनालिस्टों का कहना है कि इस मेगा स्टेक सेल से जियो की बैलेंस शीट को मजबूती मिलेगी, फ्यूचर में कैश की जरूरत पूरी करने के लिए आईपीओ पर निर्भरता घटेगी, 5जी स्पेक्ट्रम के ऑक्शन में बड़ा हिस्सा हासिल करने में भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया पर फर्स्ट मूवर वाली बढ़त हासिल होगी।

ब्रोकरेज फर्म बैंक ऑफ अमेरिका (बोफा) सिक्यॉरिटीज ने एक नोट में कहा है, रिलायंस इंडस्ट्रीज की मैनेजमेंट कॉमेंट्री के हिसाब से कंपनी में 8 फीसदी का स्टेक सेल और होने की गुंजाइश बनी है। उसने कहा कि आने वाले समय में प्राइवेट इक्विटी प्लेयर्स की तरफ से जियो प्लैटफॉर्म्स का ड्यू डिलिजेंस ज्यादा तेजी से हो सकेगा क्योंकि कंपनी ने हालिया इन्वेस्टमेंट के लिए डॉक्यूमेंटेशन और प्रोसेसिंग का काम किया ही है। जियो में होने वाले अतिरिक्त निवेश से टेलिकॉम कंपनी की बैलेंसशीट को मजबूती मिलेगी। इससे कंपनी को 850एमएचडेड स्पेक्ट्रम में होल्डिंग को रिन्यू कराने और 5जी स्पेक्ट्रम की खरीदारी में मदद मिलेगी। बोफा सिक्यॉरिटीज ने कहा, जियो को 5जी स्पेक्ट्रम के ऑक्शन में फर्स्ट मूवर का फायदा मिल सकता है। आरआईएल का शेयर मंगलवार को 1.8 फीसदी की मजबूती के साथ 1,461 रुपये पर बंद हुआ। ऐनालिस्टों का कहना है कि डिजिटल कंपनी के तौर पर जियो की कामयाबी इस बार पर निर्भर करेगी कि उसका ऐप इकोसिस्टम कितना तेजी से फैलता है और अपने लगभग 25 ऐप के क्लस्टर से किस तरह कमाई करती है।

सफलता की कहानी, (नोवोल कोरोना वायरस)

पक्षियों को दाना और पशुओं को हरा चारा खिलाने का कार्य कर रही है जीवोत्थान सेवा समिति

कोरोना की जंग, कर्म वीरों के संग

ग्वालियर। कोरोना वायरस के चलते देशभर में लॉक डाउन को एक महीने से भी अधिक हो गया है। शहर की कई समाजसेवी संस्थाएं पीड़ित मानवता की समाज सेवा में लगी हुई है। वहीं जीवोत्थान सेवा संस्थान समिति द्वारा सड़को से लेकर गली मोहल्लों में गायों को हरा चारा खिलाया जा रहा है।

संस्था के सचिव अभिषेक शर्मा ने बताया कि संस्था से जुड़े सदस्य शहर के आसपास स्थित धार्मिक स्थानों पर रहने वाले बंदरो को फल,चने,रोटियां खिलाने का कार्य कर रहे है। रात के समय गली मोहल्ले में भूखे प्यासे श्वानों को टोस्ट,बिस्किट, रोटियां खिला रहे है। साथ ही पार्कों में आम दिनों में तो लोग पंछियो को दाना दिया करते थे । पर लॉक डाउन में सभी का आना बंद है। वहीं संस्था द्वारा पार्कों ओर ऐसे स्थान जहाँ पंछी आते है, वहां प्रतिदिन दाना डाला जा रहा है। संस्था के सदस्यों का कहना है कि मानव सेवा तो बहुत से लोग कर रहे हैं तथा सरकार अभी नागरिकों के सहयोग के लिए विभिन्न योजनाएं चला रही हैं लेकिन इन बेजुबान पशु पक्षियों के भोजन पानी की व्यवस्था करना भी तो अति आवश्यक है इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए हम सभी सदस्यों ने बेजुबान पशु पक्षियों के भोजन पानी एवं दाना पानी की व्यवस्था का संकल्प लिया है जिसे हम पूरा करने का प्रयास कर रहे हैं । इस कार्य मे अध्यक्ष चंद्रभान दुबे,पवन दुबे,मयंक दुबे,सुनील राजपूत आदि सदस्य अपनी सेवा दे रहे है।

8 व 9 मई को इन वार्डों की उचित मूल्य की दुकानों से वितरित होगा खाद्यान्न

ग्वालियर। शासन के निर्देशानुसार ग्वालियर नगर के 66 वार्डों में लॉकडाउन के दौरान चरणबद्ध रूप से शासकीय उचित मूल्य की दुकानों से खाद्यान्न का वितरण किया जा रहा है। 8 व 9 मई 2020 को नगर के वार्ड क्रमांक- 7, 8, 11, 29, 45, 47, 51, 53 तथा 60 में स्थित सभी शासकीय उचित मूल्य की दुकानों से खाद्यान्न का वितरण किया जायेगा। अपर कलेक्टर श्री टी एन सिंह ने बताया कि उक्त वार्डों की उचित मूल्य की दुकानों से प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत ऐसे हितग्राहियों को खाद्यान्न प्रदान किया जा रहा है जो बीपीएल एवं पात्रता पर्ची वाले हितग्राही तथा सामान्यत- संबंधित शासकीय उचित मूल्य की दुकान से नियमित रूप से राशन प्राप्त करते हैं। उन्हें योजना के तहत खाद्यान्न वार्ड की सभी उचित मूल्य की दुकानों से वितरण किया जा रहा है। कोरोना वायरस (कोविड-19) के तहत खाद्यान्न का वितरण वार्ड की चिन्हित केवल एक दुकान से वार्ड के समस्त ऐसे हितग्राहियों को वितरित किया जायेगा, जिनकी सूची शासन से प्राप्त हुई है। प्राप्त सूची संबंधित दुकान पर चस्पा कर प्रदर्शित की गई है तथा संबंधित वार्ड के पार्षद को प्रदाय की गई है। जिससे प्राप्त सूची के अनुरूप हितग्राहियों को खाद्यान्न प्राप्त हो सकें।

ई–पास जारी करने के संबंध में नये निर्देश जारी

ग्वालियर। अपर मुख्य सचिव एवं प्रभारी स्टेट कंट्रोल रूम श्री आईसीपी केशरी द्वारा विभिन्न श्रेणी के पास जारी करने के संबंध में नए निर्देश जारी किए गए हैं।

मध्य प्रदेश के निवासी जो अन्य राज्यों में हैं- अन्य राज्यों के हॉटस्पॉट जिलों से प्रदेश के जिलों में आने की व्यवस्था पहले नहीं थी। किंतु अब मध्य प्रदेश के निवासी जो अन्य राज्यों के हॉटस्पॉट जिलों में फंसे हुए हैं वे पास के लिए मैप आईटी पोर्टल पर वाहन पंजीयन क्रमांक सहित आवेदन कर सकेंगे। ऐसे पास केवल एक बार अन्य राज्यों से मध्यप्रदेश में आने के लिए जारी किये जा सकेंगे। इस व्यवस्था का उपयोग बार-बार आवागमन में नहीं किया जा सकेगा।

प्रदेश के अन्य जिलों में फँसे प्रदेशवासी- पहले के आदेश में इंदौर, उज्जैन, भोपाल, धार, खंडवा एवं खरगोन जिलों से अन्य जिलों के लिए मात्र मेडिकल इमरजेंसी, मृत्यु और विवाह के लिए ही ई-पास जारी किए जा रहे थे। इसमें शिथिलता देते हुए अब इन जिलों से भी अन्य जिलों की तरह कलेक्टर द्वारा प्रदेश के अंदर एवं अन्य जिलों में यात्रा की अनुमति दी जाएगी। किंतु यह अनुमति मात्र एक बार ही दी जा सकेगी, जिससे इसका दुरुपयोग न किया जाए। जिस जिले में यह अनुमति दी जा रही है तथा जिस जिले के लिए दी जा रही है, की जानकारी मेप आईटी के पोर्टल पर संबंधित जिलों को दिखाई देती है। इसका उपयोग कर वे जिलों में आने वाले नागरिकों का चिकित्सीय परीक्षण करवाने के बाद संदिग्ध कोरोना पॉजिटिव पाए जाने पर अनिवार्य रुप से 14 दिन के लिए इंस्टीट्यूशनल क्वॉरेंटाइन और संदिग्ध पाए जाने पर होम करवाया जाए। इन सभी यात्रियों को आरोग्य सेतु /सार्थक एप डाउनलोड करवाया जाए।

ढाई हजार किसानों से लगभग 2500 मीट्रिक टन चना, मसूर एवं सरसों का उपार्जन

ग्वालियर। खाद्य मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के साथ ही पिछले दिनों से चना, मसूर एवं सरसों की खरीदी की जा रही है। उन्होंने कहा कि मानसून को देखते हुए निर्देश दिये गये है कि खरीदी निर्धारित तिथि से पूर्व कर ली जाये। श्री राजपूत ने कहा कि 878 खरीदी केन्द्रों में से 411 केन्द्रों पर खाद्यान्न की खरीदी की गई है। खरीदी केन्द्रों पर 2 हजार 496 किसानों से 2 हजार 495 मीट्रिक टन चना, मसूर और सरसों की खरीदी की गई। खाद्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री चौहान की मंशा अनुसार प्रदेश में खाद्यान्न का भरपूर भण्डारण किया जा रहा है, जिससे कोविड-19 के चलते आमजन को खाद्यान्न संबंधी किसी भी समस्या का सामना न करना पड़े। प्रदेश में भरपूर खाद्यान्न उपलब्ध है।

गोल्डी सिंह ने किया ठाठीपुर पर राशन का वितरण

ग्वालियर। समाजसेविका अधिवक्ता गोल्डी सिंह ठाठी पुर पर जाकर किया भोजन सामग्री का वितरण अधिवक्ता गोल्डी सिंह ने बताया कि लोगो को इस समय काफ़ी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। आज मिले हम बाहर से आये हुए लोग जो गार्ड की जॉब करते है और इस टाइम यही फंसे है अपने घर नही जा पा रहे हैद्य और कुछ ऐसी महिलाओ से जो इस टाइम बहुत समस्याओ का सामना कर रही है द्य आज उनसे रु बरु होने का एक मौका मिला द्य इस मिशन मे साथ देने के लिए आशीष जी मै ह्रदय से आभार करती हूँ।

ग्वालियर में गुरूवार को 264 नमूनों की जांच रिपोर्ट निगेटिव आई

ग्वालियर। नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के लिये जिले में किए जा रहे व्यापक प्रबंध के साथ-साथ संदिग्ध मरीजों की मेडीकल जांच भी कराई जा रही है। ग्वालियर में गुरूवार को 264 स्वास्थ्य नमूनों की जांच रिपोर्ट निगेटिव प्राप्त हुई है। कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने बताया कि जिले में अब तक 4 हजार 306 सेम्पलों की जांच कराई गई है। इसके साथ ही 3 हजार 780 जांच निगेटिव प्राप्त हुई हैं। 106 प्रकरणों में जांच की आवश्यकता नहीं पाई गई है। 408 जांच नमूनों की रिपोर्ट आना शेष है। जिले में अब तक 8 हजार 242 लोगों को होम क्वारंटाइन कराया गया है, जिनमें से 6 हजार 698 की क्वारंटाइन अवधि पूर्ण हो गई है। जिले में कुल 3 लाख 86 हजार 609 लोगों की मेडीकल स्क्रीनिंग की गई है। जिले से गुरूवार को 475 नमूने जांच हेतु भेजे गए हैं।

मदिरा व्यवसायियों की कठिनाईयों के निराकरण के लिए निर्देश जारी

ग्वालियर। प्रदेश में कोविड-19 के संक्रमण की स्थिति में मदिरा व्यवसायियों को हो रही कठिनाईयों के निराकरण के संबंध में वाणिज्यिक कर विभाग ने प्रदेश के सभी कलेक्टरों को निर्देश जारी किये हैं।

वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा जारी निर्देश में कहा गया है कि निर्माता इकाइयों और वेयर हाउस के प्रभारी अधिकारियों द्वारा वाहन और इकाई के संबंधित व्यक्तियों को दिये गये यात्रा पास को मान्य किया जाये। जिससे कि बिना बाधा के माल की आपूर्ति हो सके। जिला आबकारी अधिकारी और सहायक आबकारी आयुक्त द्वारा जारी परमिट को भी यात्रा पास के रूप में मान्य किया जाये। पास आवश्यकतानुसार ही जारी किये जाये। समस्त आबकारी ठेकेदारों को आवश्यक होने पर उनके स्वयं के लिये, विक्रेता, ड्राईवर, लेबर, मैनेजर और मुनीम आदि संबंधित कर्मचारियों के लिये तथा वाहनोंके लिये लॉकडाउन अवधि में कलेक्टर के अनुमोदन के बाद ही जिला आबकारी अधिकारी और सहायक आबकारी आयुक्त द्वारा जारी पास मान्य किये जाये। यदि किसी अन्य प्रदेश से कोई ठेकेदार अथवा उनके कर्मचारी को ठेका संचालन के लिये पास की जरूरत है तो जिला आबकारी अधिकारी कलेक्टर के माध्यम से पास जारी करायें।

निर्देशों में कहा गया है कि ठेकेदार और उसके कर्मचारियों को आवागमन के दौरान यदि औपचारिकताओं की पूर्ति की जाना आवश्यक हो तो उन्हें प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाये। जिला स्तर पर आबकारी कार्यालय में कंट्रोल रूम बनाये जाने के लिये कहा गया है। आबकारी ठेकेदारों को ठेका संचालन में यदि कोई असुविधा होती है तो ऐसी समस्या का तत्काल निराकरण फोन पर प्राथमिकता से किये जाने के लिये कहा गया है।

सोशल डिस्टेंसिंग के लिए दुकानों के बहार बनाये गए गोले

ग्राहकों को गोल घेरे में रहना होगा अनिवार्य

ग्वालियर(अर्पित गुप्ता) शासकीय कमला राजा कन्या स्नाकोत्तर स्वशाषि महविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की छात्राये कोविद -19 महामारी से बचाव हेतु निरंतर कार्य कर रही है लॉक डाउन के बावजूद लोग घरों से बाहर निकलना बंद नहीं कर रहे है। वहीं बड़ी संख्या में लोग दैनिक जरुरत का सामान खरीदने आ रहे है। इस कारण शहर की कई दुकानों पर भारी भीड़ लग गई। भीड़ के कारण लोग एक-दूसरे के संपर्क में आ रहे है। सोशियल डिस्टेंस बरकरार रखने के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं द्वारा विशेष अभियान चला ऐसी दुकानों के बाहर चूने से एक-डेढ़ मीटर की दूरी पर गोले बना दिए। साथ ही सभी दुकानदारों को पाबंद कर दिया कि वे अपने ग्राहकों को इन गोलों में ही खड़ा रखे और बारी-बारी से उन्हें सामान वितरित करे।इसी के साथ टीम लोगो को कोरोना से बचने के उपाय बताते हुए भी आमजन को जागरूक कर रही हैं। इस कार्य में रितिका पिंगोरिया,पूनम धाकड़ ,पूनम पाल, यशी चंद्रा, कामनी, स्नेहा, सुकीर्ति, कोमल, भानुप्रिया आदि छत्राये शामिल है ।

जन उत्थान न्यास ने करीब 200 सफाई कर्मचारियों का किया सम्मान

ग्वालियर। भारतीय जनता पार्टी के वरिश्ठ नेता एवं जन उत्थान न्यास अध्यक्ष डॉ. सतीष सिंह सिकरवार ने आज कोरोना के कर्म योद्धा नगर निगम क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 13 के अंतर्गत आने वाले वार्ड क्रमांक 57,58 एवं 59 के करीब 200 सफाई कर्मचारियों का पुश्पहार पहनाकार सम्मान किया। इस साथ ही डॉ. सिकरवार ने कर्म योद्धाओं को खाद्यय सामग्री, सेनेटाइजर, मास्क भेंट किये, सम्मान के साथ-साथ डॉ. सिकरवार ने कर्म योद्धाओं को जल-पान कराया। डॉ. सिकरवार ने कर्म योद्धाओं को संबोधित करते हुये कहा कि आप जो कार्य कर रहे है, वह सराहनीय है। आप सभी अपनी जान की परवाह किये बिना इस संकट की घड़ी में जो कार्य कर रहे है, उसको सदैव याद रखा जायेगा। डॉ. सिकरवार ने कहा कि भय जैसे माहौल में भी आप सभी क्षेत्र को साफएवं स्वच्छ रख रहे है, जिस तरह के हम अपने घर को साफ रखते है वैसे ही आप सभी क्षेत्र को साफरख रहे है। आप सभी कोरोना को हराने के लिए दिन-रात कार्य कर रहे है, जिसके लिए मुझे आप सभी का सम्मान करते हुये गर्व महसूस हो रहा है। इस अवसर पर डॉ. सिकरवार के साथ भाजपा जिला मंत्री देवेन्द्र पवैया, मण्डल अध्यक्ष जयंत षर्मा, पूर्व मण्डल अध्यक्ष प्रमोद जैन, न्यास सहसचिव अवधेष कौरव, क्षेत्राधिकारी अमित गुप्ता, विजय बहादुर त्यागी, सुरेष प्रजापति, नवदीप सक्सेना, राजेन्द्र राठी आदि मौजूद रहे।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130
नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478